भाद्रपद शुक्ल - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 32 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 24-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 न्यायिक व्यवस्था का सुगम होना आवश्यक : योगी

6 लेटिनेंट शशांक तिवारी: साथी की रक्षा के लिए लगाई छलांग, जलधारा में दिया कर्तव्य के लिए बलिदान

7 परफेट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं : अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 7 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मास्को/भाषा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने शनिवार की सुबह रोस्तोव और वोल्गोग्राड क्षेत्रों के साथ-साथ क्रास्नोडार क्षेत्र में सात यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि रात मध्यरात्रि से 01:40 मास्को समय शुक्रवार को 22:40 जीएमटी तक ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने सात यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों को नष्ट कर दिया। ये मानवरहित विमान चार रोस्तोव क्षेत्र के ऊपर, दो वोल्गोग्राड क्षेत्र के ऊपर और एक क्रास्नोडार क्षेत्र के ऊपर उड़ रहे थे। नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अल सल्वाडोर तट पर 6.0 तीव्रता का भूकंप आया

सैन सल्वाडोर (अल साल्वाडोर)/एपी। ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर के तट के पास शनिवार सुबह प्रशांत महासागर में बड़ा भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। सुबह 4:14 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर 6.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र अल सल्वाडोर के अकाजुटला से 81 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और ग्वाटेमाला के प्यूर्टो सैन जोस से 107 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था। अकाजुटला, अल सल्वाडोर का प्रमुख वाणिज्यिक बंदरगाह है और इसका उपयोग क्रूज जहाजों द्वारा भी किया जाता है। प्यूर्टो सैन जोस, ग्वाटेमाला के प्रशांत तट पर स्थित सबसे बड़ा शहर है। किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली।

भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी 24 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि 24 सितंबर तक बढ़ा दी है। दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि बढ़ाने के लिए अलग-अलग 'नोटिस टू एयरमेन' जारी किए हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 30 अप्रैल से पाकिस्तान के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। तब से भारत प्रतिबंध की अवधि बढ़ाता रहा है। 'नोटिस-टू-एयरमैन' के अनुसार भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों और पाकिस्तानी एयरलाइंस/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों, जिनमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं, के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

24-08-2025 सूर्यास्त 6:35 बजे | 25-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
81,306.85	24,870.10
(-693.86)	(-213.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	117,035 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वजीर का दम

हल हो सकती सभी समस्या,
यदि हम सब गंभीर हैं।
दुश्मन की औकात नहीं यदि,
सीमा पर रणधीर हैं।
गठबंधन होते सुखदायक,
नेता यदि प्रणवीर हैं।
खत्म न होती कभी बाजियां,
जीवित जहां वजीर हैं।।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार जारी रखेगी सरकार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारे लिए सुधार न तो कोई मजबूरी है और न ही संकट से प्रेरित, बल्कि यह प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास का विषय है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार जारी रखेगी। मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार प्रक्रिया इस दिवाली से पहले पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे जीएसटी कानून सरल हो जाएगा और कीमतें कम होंगी।

प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से स्वच्छ ऊर्जा, क्वांटम प्रौद्योगिकी, बैटरी भंडारण, उन्नत सामग्री और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया।

'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विश्व की वृद्धि में भारत का योगदान बहुत जल्द लगभग 20 प्रतिशत होने जा रहा है। मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में जो वृद्धि दिख रही है, वह पिछले 10 वर्षों में व्यापक आर्थिक स्थिरता के कारण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत का राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक कम हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां पूंजी बाजारों से रिकॉर्ड धन जुटा रही हैं। उन्होंने कहा कि बैंक अब काफी मजबूत हैं, महंगाई बहुत कम है, ब्याज दरें कम हैं और चालू खाता घाटा नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर महीने लाखों घरेलू निवेशक एसआईपी के जरिए पूंजी बाजार में हज़ारों करोड़ रुपये लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब आर्थिक बुनियाद मज़बूत होती है, तो सकारात्मक प्रभाव चारों ओर दिखाई देता है। मोदी ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जून के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 22 लाख औपचारिक नौकरियां जुड़ी हैं, जो किसी एक महीने में अब तक की सबसे ज़्यादा संख्या है। उन्होंने कहा कि खुदरा महंगाई 2017 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे लिए सुधार न तो कोई मजबूरी है और न ही संकट से प्रेरित, बल्कि यह प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास का विषय है।''

अगले 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत अगले 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि ये उपग्रह सरकारी प्रौद्योगिकी अभियानों और निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले परिचालन मिशनों के तहत प्रक्षेपित किए जाएंगे।

सिंह ने दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में यहां आयोजित समारोह के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अगले 15 वर्षों के वास्ते एक प्रारूप भी जारी किया। इस समारोह में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन, आईएनएसपीएसी के अध्यक्ष पवन गोयनका और 'गगनयान' मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्री भी मौजूद थे।

सिंह ने कहा कि यह रोडमैप 2040 और उसके आगे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का मार्गदर्शन करेगा तथा खाद्य एवं जल सुरक्षा, आपदा प्रबंधन क्षमता, पर्यावरणीय स्थिरता और समावेशी विकास के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम एक परिवर्तनकारी दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां यह अब प्रतीकात्मक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी नवाचार और जन कल्याण में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन गया है।

भाजपा-आरएसएस ने गरीबों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधी ने दावा किया कि पहले दलितों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के पास सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सशस्त्र बलों में करियर बनाने का अवसर होता था लेकिन अब यह विकल्प खत्म हो चुका है।

कटिहार (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गरीब तबकों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए हैं और अब वह बिहार में ''वोट चुराने'' की कोशिश कर रही है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राज्यव्यापी ''वोटर अधिकार यात्रा'' के तहत कटिहार जिले में देर शाम एक रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाया।

संविधान की एक प्रति लहराते हुए उन्होंने कहा, ''बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा लिखी गई यह किताब भले ही सौ साल से कम पुरानी हो लेकिन जिन विचारों को यह दर्शाती है, वे हजारों साल पुराने हैं। भाजपा और आरएसएस इन विचारों के खिलाफ हैं।''

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मानना है कि दलितों का उत्थान नहीं होना चाहिए, अति पिछड़ों को सामाजिक सीढ़ी पर ऊपर नहीं चढ़ने देना चाहिए और महिलाओं को अधिक स्वतंत्रता नहीं दी जानी चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा-आरएसएस ऐसे मॉडल के पक्षधर हैं जिसमें सारी ताकत एक संगठन के हाथों में सिमटी हो और सारी संपत्ति कुछ बड़े कारोबारी घरानों जैसे अंबानी और अदाणी के पास केंद्रित हो। नतीजतन वंचित वर्गों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद हो गए हैं।''

नरेन्द्र मोदी सरकार के निजीकरण पर जोर और अग्निवीर योजना की ओर इशारा करते हुए गांधी ने दावा किया कि पहले दलितों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के पास सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सशस्त्र बलों में करियर बनाने का अवसर होता था लेकिन अब यह विकल्प खत्म हो चुका है।

पारंपरिक कृषि पद्धतियों और प्रौद्योगिकी का तालमेल भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर बना सकता है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत आधुनिक प्रौद्योगिकी को पारंपरिक कृषि पद्धतियों और पशुपालन के साथ मिलाकर तथा देशी मवेशी पालन करके कृषि में आत्मनिर्भर बन सकता है।

भागवत ने यहां ज्येष्ठ पशुवैद्य प्रतिष्ठान के 28वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया, जहां किसानों, पशु चिकित्सा स्नातकों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताएं भारत के लिए कृषि में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा, कृषि और पशुपालन की भारतीय पद्धतियों के साथ आधुनिक पद्धतियों को मिश्रित करने से किसानों को लाभ होगा और देश आत्मनिर्भरता प्राप्त करेगा।

भागवत ने कहा कि पशु चिकित्सकों को उन जीवों के दर्द को समझने की कला आती है, जो न तो बोल सकते हैं और न ही इलाज के दौरान विरोध कर सकते हैं, फिर भी वे उन्हें ठीक कर देते हैं। उन्होंने कहा, प्राचीन पशु चिकित्सा विशेषज्ञ शालिहोत्र ने घोड़े की आयु और गुण निर्धारित करने का विज्ञान बताया था। यह परंपरा हमारे लिए गर्व की बात है।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि यदि जहां आवश्यक हो, पश्चिमी तकनीक और आधुनिकता को अपनाया जाए और भारतीय कृषि एवं पशुपालन पद्धतियों के साथ समन्वय किया जाए, तो किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मवेशियों और पारंपरिक कृषि प्रणालियों में लोगों का विश्वास बढ़ रहा है।

टीएमसी विधायक के घर सीबीआई का छापा

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक दल ने सरकारी आरजी कर अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में उत्तर कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक डॉ. सुदीप्तो रॉय के आवास पर छापा मारा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब जांच अधिकारी श्रीरामपुर के विधायक रॉय के घर पर पहुंचे तब वह वहां नहीं थे और जांच अधिकारी रॉय के स्वामित्व वाले नर्सिंग होम भी गए और उनके कार्यालय में कागजात का निरीक्षण किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाक-अमेरिका संबंधों पर कहा

उनका इतिहास रहा है और इसे नजरअंदाज करने का भी इतिहास रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह वही सेना (अमेरिकी सेना) है, जो एबटाबाद गई थी और वहां, आप जानते हैं, कौन (ओसामा बिन लादेन) मिला।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान का एक दूसरे के साथ इतिहास रहा है, लेकिन वे उस इतिहास को नजरअंदाज भी करते रहे हैं। उन्होंने 2011 में इस्लामाबाद के निकट अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को मार गिराये जाने की याद दिलाई।

जयशंकर की यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के बारे में पूछे जाने पर आई।

अमेरिका-पाकिस्तान का जिक्र करते हुए उन्होंने 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में कहा, ''उनका एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है। और उस इतिहास को नजरअंदाज करने का भी उनका इतिहास रहा है। यह पहली बार नहीं है जब हमने ऐसी चीजें देखी हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''यह वही सेना है, जो एबटाबाद गई थी और वहां, आप जानते हैं, कौन मिला।''

लादेन को अमेरिकी नौसेना के सील्स ने दो मई, 2011 को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास स्थित छावनी क्षेत्र एबटाबाद में मार गिराया था। अमेरिका ने इस अति-गोपनीय अभियान को अंजाम देने से पहले पाकिस्तान को इसकी सूचना नहीं दी थी।

अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''स्पष्टतः, मैं परिस्थिति या चुनौती के अनुसार प्रतिक्रिया करता हूं। लेकिन मैं ऐसा हमेशा संबंधों की व्यापक संरचनात्मक मजबूती और उससे उत्पन्न होने वाले आत्मविश्वास को ध्यान में रखते हुए करता हूं।''

ऑनलाइन मनी गेमिंग पर कानून लाकर सरकार ने किया श्रेष्ठ कार्य : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शनिवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ सभागृह में पर्युषण के चौथे दिन आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि तकनीकी विकास के इस युग में ऑनलाइन मनी गेमिंग का चलन खतरनाक तरीके से बढ़ गया है। मोबाइल में अनेक ऐसे एप्लिकेशन और उनके विज्ञापन उपलब्ध हैं जो बालक-बालिकाओं को क्या, युवावर्ग को भी बहुत ललचाते हैं। वे उन्हें जुआ खेलने के लिये प्रेरित करते हैं। हमारे सेलिब्रेटी धन से खुद का घर भरने के लिए जुए के विज्ञापन करते हैं।

हमारे नोनिहालों की जिंदगी में प्रविष्ट हो रही यह बुरी आदत उनके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं को समाप्त कर रही है। इस ऑनलाइन मनी गेमिंग से प्रतिदिन हजारों जिंदगियां और उनके परिवार बरबाद होते जा रहे हैं। जुआ खेलने की आदत पड़ जाने के बाद बच्चे झूठ बोलते हैं, चोरियां करते हैं। वे कीमती सामान सस्ते में बेचकर जुआ खेल लेते हैं। स्कूल-कॉलेज के आसपास हमारी नई पीढ़ी को तबाह करने का षडयंत्र एक बहुत बड़े रैकेट की तरह कार्यरत है। दिनोंदिन यह बढ़ता ही जा रहा है। अधिकांश माता-पिता और अभिभावक इन षडयंत्रों से पूरी तरह अनजान हैं। काफी नुकसान के बाद ही उन्हें पता चल रहा है। अब केंद्र सरकार ने कठोर कानून बनाकर ऑनलाइन मनी गेमिंग की इस समाज विरोधी प्रवृत्ति को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का निर्णय किया है। यह सरकार का अत्यंत सराहनीय कार्य है। लोग किसी भी जाति-वर्ग के हों, जुआ सभी के लिए अहितकारी है।

जैनाचार्य विमलसागरसूरी जी ने कहा कि बालकों को तब तक कोई कीमती वस्तु हाथ में नहीं देनी चाहिए, जब तक कि उन्हें उस वस्तु का मूल्यांकन पता न हो। जब बिना मेहनत के बच्चों के हाथों में सरलता से पैसे आ जाते हैं तो उनका दुरुपयोग भी होने लग जाता है। बच्चों को पहले यह पता चलना चाहिए कि कितने परिश्रम और संघर्ष के बाद पैसे कमाए जाते हैं। तब वे समझेंगे कि पैसों को कितना और कहां खर्च करना है। यही व्यवस्था हमारी नई पीढ़ी को सुरक्षित रख सकती है। नीति शास्त्र कहता है कि लोग बिना परिश्रम के प्राप्त वस्तु की कीमत नहीं समझते। वे उसका आसानी से दुरुपयोग कर लेते हैं। बिना परिश्रम के मिल रहा पैसा बालकों को बिगाड़ रहा है। वह उन्हें गलत रास्तों पर ले जा रहा है। इस प्रकार बालकों के पतन में परोक्ष रूप से अभिभावकों की भी भूमिका है।

ज्ञात रहे कि जब तक परिपक्वता और जिम्मेदारी का भान नहीं होता, तब तक मिली हुई शक्तियां और सुविधाएं मनुष्य को पतन के मार्ग पर ले ही जाती हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि पर्युषण महापर्व के चौथे दिन विजयकुमार हीराचंद बाफना परिवार ने सकल संघ की उपस्थिति में आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी को धर्मशास्त्र कल्पसूत्र अर्पित किया। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि तपस्या के तीसरे चरण में यहां करीब 250 से अधिक श्रद्धालु तप साधना कर रहे हैं।

सहज स्मृति योग

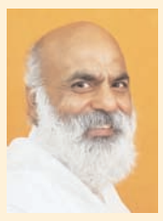

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपने एक सत्संग में कहा था कि योगियों, तपस्वियों द्वारा योगस्थ होकर तप करने से भोग का त्याग होता रहता है, जिससे नाम मिलता है, नाम त्यागने से यश मिलता है, यश त्याग से कीर्ति मिलती है। मेरा प्रश्न है कि कीर्ति त्यागने से क्या मिलता है और, ये सब त्याग करने वाला हमारे भीतर है कौन, हमारा अहंकार या अस्मिता या आत्मा या कोई और ?

उत्तर: कीर्ति, धृति, स्मृति, मेधा, क्षमा, करुणा, विनम्रता इत्यादि ऐसी विभूतियाँ हैं जिनका त्याग नहीं होता। सनातन गुरु शिष्य परम्परा से चली आ रही ये विभूतियाँ संख्या में छब्बीस कही जाती हैं। परंतु इनका किसी व्यक्ति विशेष में प्रकट होना और स्थायी होना या न होना उसके स्वतंत्र चुनाव के साथ ही किसी और पर भी निर्भर है। किंतु सभी योगी और तपस्वी योग अभ्यास और तप तो करते ही हैं कि वे इन्हें चुन सकने में समर्थ हो जाएँ और बने रहें ताकि अहंकार मुक्त बने रहें और उनके जीवन व्यवहार में शिष्यत्व के अतिरिक्त कोई दूसरी अस्मिता प्राथमिक न होने पाए। जो इन सबका त्याग करने वाला जाना/कहा/समझा जाता है वह हमारा निर्मल हुआ चित्त ही है जिसमें परम गुरु(परमात्मा) की उपरोक्त विभूतियों की झांकी प्रकट और अंतर्ध्यान होती रहती है। जीवन मुक्त महात्माओं की जीवन लीला की अवधि में यही देखा जाता रहा है। अनेक अवतार मसीह पैगंबर हुए जिनकी जीवन-कथा में इन सारी विभूतियों का दर्शन मिला है, श्रवण करने को भी मिलीं और अभी भी मिल रहीं हैं । किंतु, क्या वे अखण्ड स्वरूप से विद्यमान रहीं ? उनके प्रवर्तित वर्तित होने में एक भी लीक क़ाज़ल की कहीं न कहीं कभी न कभी लगी नहीं दिखी। निरंतर यज्ञ दान तप इत्यादि में निमग्न रहने के वावजूद यह कृपा, वरदान, अशीष से ही संभव हो पाता है कि विभूतियां जीवन की सम्पूर्ण अवधि में शाश्वत बनी रहें ।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में 24 घंटे चलने वाला मेगा ब्लड डोनेशन अभियान होने जा रहा है जिसके तहत जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में पहला शिविर का आयोजन किया जाएगा। एसबीटीसी के निदेशक डॉ. सुभ्रता साहा, अंडमान-निकोबार चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष राजेश कुमार पुरिया, प्राचार्य डॉ. हेमंत कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. कंडिमुथु एवं डॉ. संतोष कुमार झा, पंत हॉस्पिटल ब्लड बैंक की संयोजिका पलविंदर कौर तथा बेंगलूरु से अभातेयुप अंडमान-निकोबार संगठन के विनोद मुथा व गौतम खाब्या ने बैनर का अनावरण किया।

कर्मों का प्रायश्चित कर लेना चाहिए : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन साध्वी अणिमाश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जो अपराधी को भी क्षमा करता है उसकी जीत होती है। क्रोध एवं कषाय के वजह से हमारे कर्म आत्मा से चिपक जाते है और कर्म उदय में आने के पहले हमें कर्मों का प्रायश्चित कर लेना चाहिए। कंचनकंवरजी ने कहा कि जब हमारे कर्म उदय में आते हैं तो हमें उन्हें भोगना ही पड़ता है। असावधानी से बंधे हुए कर्म जब उदय में आते हैं तो ज्ञानी कहते हैं कि समभाव पूर्वक कष्टों को, दुःखों को, आने वाली आपतियों को सहना सीखो। इन्सान भी कर्मबन्ध में जकड़ा हुआ है। कर्म अनादि काल से आत्मा के साथ थे और वर्तमान में भी आत्मा के साथ, इस कारण जीव कर्म मुक्त नहीं हो पाते। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि पर्युषण महापर्व के चौथे दिन अनेक तपस्वियों ने प्रत्याख्यान ग्रहण किए। कंचन कंवर जी मंगलपाठ श्रवण कराया। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

वनबंधु परिषद बेंगलूरु युवा चैप्टर ने पहले 'गुरुकुल विद्यालय' का शुभारंभ किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वनबंधु परिषद बेंगलूरु युवा चैप्टर ने बुधवार को अपने पहले गुरुकुल विद्यालय का शुभारंभ किया। गुरुकुल केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि बच्चों को संस्कार, आत्मरक्षा, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास की दिशा में तैयार करने का एक अभिनव प्रयास है। इस उद्घाटन के मौके पर अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, हेलो किड्स के सीईओ प्रीतम अग्रवाल, परिषद साउथ जोन के सचिव बिमल सरावगी, बेंगलूरु जोन के अध्यक्ष हाथीमल बैद आदि उपस्थित थे। इस मौके पर गुरुकुल की शिक्षिका छाया गांधी ने अभिभावकों से संवाद कर उन्हें विश्वास दिलाया कि तीन माह बाद जब अभिभावक पुनः मिलेंगे, तो वे अपने बच्चों के व्यक्तित्व में स्पष्ट सकारात्मक बदलाव अनुभव करेंगे। युवा चैप्टर के सचिव विकास गुप्ता ने कहा कि गुरुकुल हमारे संगठन के पूर्व अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल के सपनों का साकार रूप है जिसमें गुरुकुल प्रभारी मितेश खण्डेलवाल अपनी टीम के साथ बहुत सहयोग दिया।

उन्होंने घोषणा की कि सितंबर माह में दो और गुरुकुलों की शुरुआत की जाएगी। इस अवसर पर हेलो किड्स हनी ब्रांच की प्राचार्या वसुमति, युवा टीम के अध्यक्ष प्रितेश बुरड़, आशीष गुप्ता, बृजेश अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मेगा ब्लड डोनेशन शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद , यशवंतपुर द्वारा मेवाड़ भवन में 17 सितम्बर को मेगा ब्लड डोनेशन शिविर के बैनर का अनावरण किया। इस मौके पर प्रायोजक सुमनबाई महावीर गन्ना परिवार द्वारा स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर तेयुप यशवंतपुर के अध्यक्ष धर्मेश डुंगरवाल, अभातेयुप के विनोद मुथा, संयोजक हितेश सेठिया, सहसंयोजक भावेश कटारिया उपस्थित थे।

मनुष्य को अपने मन पर नियंत्रण करना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। राजा हो या रंक, कर्म के हिसाब से उसको सबको भोगना ही पड़ता है। ऐसा कोई नहीं है जो कर्मों से बच गया हो। जो जैसा दे रहा है उसको वैसा ही मिलेगा।

इर्ष्या में आकर किसी के बारे में बुरा नहीं सोचना चाहिए। बुरा करना तो दूर, बुरा सोचने से भी जीवन नर्कों की ओर बढ़ता है। कर्मों का जब उदय होगा तो पछताने से भी कुछ नहीं मिलेगा। समता भाव और क्षमा भाव से मनुष्य अपने बंध कर्मों को खोल सकता है।

कर्मों के खेल निराले होते हैं। ऋषि मुनि भी इन कर्मों से हार जाते हैं। इसलिए कहते हैं कि कर्मों के खेल निराले होते हैं।

समय रहते मनुष्य को अच्छे कर्म कर लेना चाहिए। संतश्री ने कहा कि मनुष्य को अपने मन पर नियंत्रण करना चाहिए। मन जीता तो जग जीत लिया। अगर जीवन में आगे जाना है तो मन पर नियंत्रण करें। ऐसा करके संसार से मुक्त होकर आनंद के भागी बन सकते है। सभा में विकास कोठारी, अभिषेक विनायकिया ने 5 उपवास के पच्चखान लिए। इस मौके पर कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ व उनकी टीम एवं बड़ी संख्या में युवा एवं विहार सेवा के सदस्य उपस्थित हुए। कल्प सूत्र का वांचन दोपहर में लोकेश मुनि ने किया। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

आत्मा की मूल्यवत्ता समझनी चाहिए : मुनि मलयप्रभसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के चतुर्थ दिवस के कल्पसूत्र वांचन के प्रवचन में कहा कि त्रिकालदर्शी आत्मा शुद्ध द्रव्य है। हमें आत्मा की मूल्यवत्ता समझनी चाहिए।

आत्मा पर्याय बदलती रहती है लेकिन आत्मा वही रहती है। परमात्मा महावीर का सम्यक दर्शन का पहला भव नयसार का रहा, वहीं से महावीर की आत्मा को सम्यक दर्शन प्राप्त हुआ। कर्मों की लीला को हमें समझना है जो कि कई भव तक चलता रहता है। बीसवें भव में महावीर की आत्मा नरक में उत्पन्न हुई। हमें अगर एक भव भी नरक का याद आ जाए तो हमारे सारे पाप बंद हो जाएंगे। हमारा मन न तो हमें भगवान बनने देता है और न ही भगवान का बनने देता है। हमें अपने मन पर नियंत्रण करना सीखना है। संतश्री ने अनेक भवों के बारे में जानकारी दी। छब्बीसवें भव में पुनः देव बने और मोक्ष से पूर्व सत्ताइसवें भव में महावीर प्रभु के रूप में उत्पन्न हुए। शनिवार को गुरुदेव ने देवचंद्र जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में उनका गुणानुवाद किया। रविवार को महावीर प्रभु का जन्म वांचन, स्वप्न दर्शन होगा।

आईआईटी मुंबई ने चंद्रयान-2 के आंकड़ों के जरिये चंद्रमा के रसायन विज्ञान का मानचित्रण किया

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मुंबई के छात्रों ने चंद्रयान-2 मिशन से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग करके चंद्रमा की सतह के रसायन विज्ञान का सफलतापूर्वक मानचित्रण किया है।

आईआईटी मुंबई ने एक बयान में कहा कि यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के यू. आर. राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) द्वारा 'इंटर-आईआईटी टेक मीट' के दौरान दी गई चुनौती का हिस्सा था। चंद्रमा की रक्षा के लिए कोई वायुमंडल नहीं है और यह लगातार सूर्य से आने वाली किरणों से प्रभावित होता रहता है। जब ये किरणें चंद्रमा की सतह से टकराती हैं, तो वहां मौजूद तत्व अपना अनूठा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलती है कि चंद्रमा किस चीज से बना है। आईआईटी की विजेता टीम के प्रमुख छात्र रवि कुमार ने कहा, इसरो के प्रमुख चंद्रयान मिशन की जानकारी के साथ काम करना एक साथ रोमांचक अनुभव था। हर कदम पर ऐसा लग रहा था जैसे हम किसी अभूतपूर्व चीज में योगदान दे रहे हैं। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने हमें भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण विरासत से सीधे तौर पर जोड़ दिया।।

संविधान संशोधन विधेयक के विरोध पर मेघवाल ने पूछा,

क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है?

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को 'प्रगतिशील कानून' बताया और पूछा कि विधेयक को लेकर विरोध जता रहा विपक्ष क्या भ्रष्टाचार के पक्ष में है? मेघवाल ने देश के सबसे स्वच्छ शहर में 'अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इसके बाद 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर संवाददाताओं से कहा, मेरे ख्याल में यह बहुत शानदार और प्रगतिशील कानून है। विपक्ष को इस कानून का समर्थन करना चाहिए, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध किया। क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है?'' विपक्ष द्वारा इस प्रस्तावित कानून के दुरुपयोग की आशंका जताए जाने पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि विपक्ष पूरा विधेयक पढ़ता नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा,''हमने देखा है कि दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बावजूद अपना पद नहीं छोड़ा था।

मेघवाल ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया और इस अभियान को लेकर संसद के मॉनसून सत्र में शानदार चर्चा हुई। उन्होंने इंदौर में पौधारोपण अभियान में शामिल होने के दौरान सिंदूर का पेड़ लगाया।

मेवाड़ भवन यशवंतपुर में मनाया गया वाणी संयम दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में मेवाड़ भवन में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का चतुर्थ दिवस वाणी संयम दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री ने कहा कि भगवान महावीर एवं गौतम के प्रश्न संवाद में बताया है कि जंबू द्वीप के चारों ओर लवण समुद्र है फिर भी डूबता नहीं है, क्योंकि यहां सदा संत, महात्मा रहते हैं, कभी भी धर्म विहीन नहीं होता। पर्युषण पर्व हमें आध्यात्मिक उपासना करने की प्रेरणा देता है।

तत्पश्चात भगवान महावीर के सोलह भव की विवेचना की। डा सरलयशाजी ने कहा कि अपनी शक्तियों का गोपन नहीं करना चाहिए। छोटी छोटी क्रिया से चरित्र मोहनीय कर्म का क्षयोपशम होता है। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने वाणी संयम दिवस के महत्व को बताते हुए कहा मौन के दो लाभ है एक तो हम भीतर मे प्रवेश करते है दूसरा विचारों का अल्पीकरण होता है। टी दासरहल्ली महिला मंडल ने गीत का गान किया। सभा के मंत्री अनिल दक ने जैन विद्या के परीक्षा की जानकारी दी।

सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी के संबंध में अनिल अंबानी, आरकॉम के खिलाफ मामला दर्ज कर छापेमारी की

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक से 2929.05 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के संबंध में हाल में मामला दर्ज करने के बाद शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के निदेशक अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि एजेंसी की टीम ने मुंबई में दो जगहों-रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) के आधिकारिक परिसर और अनिल अंबानी के आवासीय परिसर पर तलाशी ली।

सीबीआई ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर आरकॉम मुंबई, इसके निदेशक अनिल अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सूत्रों ने बताया यह छापेमारी

मुंबई के कफ परेड स्थित अंबानी के आवास 'सी विंड' पर हुई। शिकायत के अनुसार, कंपनी पर विभिन्न ऋणदाताओं का 40,000 करोड़ रुपए से अधिक बकाया था, जिसमें अकेले एसबीआई को 2018 के आंकड़ों के अनुसार 2929.05 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सीबीआई ने बताया कि अंबानी और आरकॉम पर कथित तौर पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई की प्रवक्ता ने कहा, आरोप है कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश के तहत गलत जानकारी दी और आरकॉम के पक्ष में एसबीआई से ऋण सुविधाएं स्वीकृत करवाईं। यह भी आरोप है कि ऋण की राशि का दुरुपयोग किया गया और इसमें हेरफेर की गई। एसबीआई की शिकायत के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), आरकॉम की सहायक कंपनी रिलायंस इंफ्राटेल लिमिटेड और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड ने बैंकों से कुल मिलाकर 31,580 करोड़ रुपए प्राप्त किए। वर्ष 2020 में किए गए फॉरेंसिक ऑडिट में बैंकों से प्राप्त धन के इस्तेमाल का पता लगाया गया, जिससे आरकॉम द्वारा प्राप्त और इस्तेमाल धन में हेराफेरी का पता चला।

केंद्र सरकार खनिज कारोबार के लिए एक्सचेंज बनाएगी: किशन रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार लंदन मेटल एक्सचेंज की तर्ज पर खनिज कारोबार एक्सचेंज बनाएगी।

उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया कि खनिज एक्सचेंज सेबी के मानदंडों के अनुसार स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, लंदन मेटल एक्सचेंज की तरह, हम भारत में भी एक खनिज एक्सचेंज बनाने जा रहे हैं। प्रस्तावित खनिज एक्सचेंज से उद्योगों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य तय करने में मदद मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि खनिज एक्सचेंज को हाल ही में पारित कानून का हिस्सा बनाया गया है और संबंधित दिशानिर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह पूछने पर कि क्या अमेरिकी शुल्क का घरेलू कोयला उद्योग पर कोई प्रभाव पड़ेगा, उन्होंने कहा कि इसका ज्यादा असर नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि देश अमेरिका को एल्युमीनियम का बहुत कम निर्यात करता है।

धर्मस्थल मामला

जिसने भी गलत किया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के धर्मस्थल में पिछले दो दशकों में हुई कई हत्याओं, दुष्कर्मों और उसके बाद उन्हें ''दफनाने'' की शिकायतों के संदर्भ में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि गलत काम करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच जारी है और सरकार पूरी तरह से न्याय के पक्ष में है।

उपमुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के लोग अब बोल रहे हैं, जबकि पहले एक दम चुप थे। लेकिन मेरे इस मुद्दे पर बोलने के बाद (इसे साजिश बताते हुए) अब प्रतिक्रिया दे रहे हैं।''

शिवकुमार ने कहा कि धर्मस्थल के मंदिर और संस्थानों के प्रमुख परिवारों ने जांच का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात कर उनके फैसले की सराहना की। शिवकुमार ने कहा, जांच जारी है। हमारी सरकार, गृह मंत्री (जी परमेश्वर) और मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक और विधानसभा में स्पष्ट कहा था कि ''जो भी गलत काम करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। हम किसी के पक्ष में नहीं हैं, हम न्याय के पक्ष में हैं। हम नहीं चाहते कि धर्म के मामलों में राजनीति हो।'' उन्होंने हाल में धर्मस्थल की छवि खराब करने की ''साजिश'' रचने का आरोप लगाया था और विश्वास जताया था कि जांच से सच्चाई सामने आएगी।

राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पिछले दो दशकों में धर्मस्थल क्षेत्र में हुई अनेक हत्याओं, बलात्कारों और शवों को दफनाने के आरोपों की जांच कर रहा है। शिकायतकर्ता एक पूर्व सफाई कर्मचारी है और उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है। उसने आरोप लगाया कि 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में तैनाती के दौरान उसे शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। एसआईटी ने जांच के तहत धर्मस्थल में नेत्रवती नदी के किनारे वन्य क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा चिन्हित कई स्थानों पर खुदाई की थी, जहां अब तक दो स्थानों पर कुछ कंकाल के अवशेष पाए गए हैं।

धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने 'फर्जी' शिकायतकर्ता की गिरफ्तारी का स्वागत किया

मंगलूरु। कर्नाटक के धर्मस्थल मंजुनाथ स्वामी मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने हत्या, दुष्कर्म और शवों को दफनाए जाने के आरोपों से जुड़े मामले में 'फर्जी' शिकायतकर्ता की गिरफ्तारी का स्वागत करते हुए कहा कि सच्चाई अब खुद-ब-खुद सामने आने लगी है'। धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने शनिवार को विशेष जांच दल द्वारा शिकायतकर्ता को गिरफ्तार कर बेलथांगडी अदालत में पेश किए जाने एवं पूछताछ के लिए हिरासत में लिये जाने के बाद यह बयान दिया। हेगड़े ने धर्मस्थल पर एकत्रित लोगों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर शहर 'निराधार आरोपों' का सामना कर रहा है, जिससे यहां के भक्तों और बड़े पैमाने पर

सनातन धर्म समुदाय को पीड़ा हुई है।

उन्होंने कहा, 'हमें पहले से ही विश्वास था कि सही तथ्य सामने आयेंगे और न्याय की जीत होगी। 'फर्जी' आरोप लगाने वाले व्यक्ति के साथ ईश्वर न्याय करेगा।' हेगड़े ने मामले की जारी जांच का हवाला देते हुए कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया और कहा कि समय के साथ पूरी सच्चाई खुद-ब-खुद सामने आ जायेगी।

'साजिशकर्ताओं' को बेनकाब करने के लिए जांच एनआईए को सौंपी जाएं : भाजपा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने शनिवार को राज्य की कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि वह धर्मस्थल मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दे, ताकि मामले के शिकायतकर्ता के पीछे छिपे साजिशकर्ताओं, विदेशी हस्तक्षेपकर्ताओं और इसके लिए ''धन मुहैया कराने वालों'' को बेनकाब किया जा सका। शिकायतकर्ता ने धर्मस्थल में पिछले दो दशकों के दौरान कई लोगों की हत्या, दुष्कर्म और शवों को दफनाए जाने का दावा किया है। शिकायतकर्ता को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी पहचान सीएन चिन्नैया के रूप में हुई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, यह शिकायतकर्ता हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है, उसके पीछे के साजिशकर्ता महत्वपूर्ण हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। सरकार को यह साबित करने के लिए कि वे निष्पक्ष जांच कर रहे हैं और हिंदुओं का अपमान नहीं कर रहे हैं, एक अलग एसआईटी का गठन करना होगा। अशोक ने कहा, ''अगर कांग्रेस और डीके शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) जरा-भी गंभीर हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि षड्यंत्रकारियों का पर्दाफाश हो। उन्हें इसके लिए एक एसआईटी बनानी चाहिए या मामले को एनआईए को सौंप देना चाहिए। जैसा कि कहा जा रहा है कि पैसा विदेश और दूसरे राज्यों से आया है, इसलिए एनआईए जांच जरूरी है।''

यह उल्लेख करते हुए कि कई भाजपा सांसदों ने मामले की एनआईए जांच की मांग करते हुए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है, अशोक ने कहा, ''बेहतर होगा कि राज्य सरकार केंद्र के आदेश से पहले एनआईए जांच के लिए खुद सहमति दे। यदि राज्य की कांग्रेस सरकार मामले को एनआईए को नहीं सौंपती है, तो इसमें कांग्रेस की भूमिका स्पष्ट हो जाएगी।'' राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी पिछले दो दशकों में धर्मस्थल के विभिन्न स्थानों पर हुई कई हत्याओं, बलात्कारों और शवों को दफनाने के आरोपों की जांच कर रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी मांग की कि मामले की गहन जांच की जानी चाहिए और धर्मस्थल क्षेत्र को निशाना बनाकर साजिश रचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अदालत से जमानत मिलने के बाद पुलिस ने यूट्यूबर को भेजा समन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के धर्मस्थल मामले में पुलिस ने अदालत से अग्रिम जमानत मिलने के बाद यूट्यूबर एम.डी. समीर को नोटिस जारी कर 24 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। समीर विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच के दायरे में हैं।

पुलिस ने बताया कि 21 अगस्त को मंगलूरु की एक अदालत द्वारा समीर को अग्रिम जमानत दिये जाने के बाद यह नोटिस बल्लारी स्थित उनके आवास पर चिपकाया गया। धर्मस्थल मामले से संबंधित सामग्री यूट्यूब पर डालने को लेकर समीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि समीर के खिलाफ धर्मस्थल थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना), 240 (गलत जानकारी देना) और 353(1)(बी) (शांति भंग करने वाले बयान देना) के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार, समीर ने एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें उन्होंने बिना किसी सबूत के कथित तौर पर अनेक आरोप लगाये थे। समीर ने दावा किया था कि उनके वीडियो उन मुद्दों को उजागर करते हैं, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। अदालत ने अग्रिम जमानत देते समय समीर को जांच में सहयोग करने और भड़काऊ बयान' देने से बचने का निर्देश दिया था।

तैयारी

गणेश चतुर्थी की उल्टी गिनती शुरू होते ही बेंगलूरु में शनिवार को लालबाग के पास गणेशमूर्तियों के लिए प्रसिद्ध मावली में अपनी पसंद के गणेश प्रतिमाओं को खरीदते हुए श्रद्धालु।

जब तक एसआईटी जांच पूरी नहीं कर लेती, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने राज्य के धर्मस्थल कस्बे में पिछले दो दशकों के दौरान कई लोगों की हत्या, दुष्कर्म और शवों को सामूहिक रूप से दफनाए जाने का दावा करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद कहा कि जब तक एसआईटी अपनी जांच पूरी नहीं कर लेती, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। परमेश्वर ने कहा कि शिकायतकर्ता के बयानों के आधार पर एसआईटी जांच जारी रखेगी।

मंत्री ने शिकायतकर्ता की गिरफ्तारी और उसके कारणों के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा , यह सच है कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वह पुलिस हिरासत में है। चूंकि, जांच जारी है, इसलिए कोई जानकारी साझा नहीं की जा सकती। पुलिस (एसआईटी) जांच कर रही है। एसआईटी (विशेष जांच दल) विवरण साझा करेगी। उन्होंने कहा, शिकायतकर्ता को संदेह के आधार पर या किसी धारा के तहत गिरफ्तार

किया गया है, ये सभी विवरण एसआईटी के पास हैं... शिकायतकर्ता की ओर से मिली शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई। अब जब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, तो उसके बयानों के आधार पर जांच जारी रहेगी।

राज्य सरकार की ओर से गठित एसआईटी पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में विभिन्न स्थानों पर हुई कई हत्याओं, बलात्कारों और शवों को सामूहिक रूप से दफनाने के आरोपों की जांच कर रही है। पूर्व सफाई कर्मी व शिकायतकर्ता चिन्नैया ने दावा किया है कि उसने 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था और उसे महिलाओं व नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था।

बाइक टैक्सी सेवाएं फिर से शुरू, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा- कोई अनुमति नहीं दी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि उसने 'राइड-हेलिंग' कंपनियों को बाइक टैक्सी सेवाएं फिर से शुरू करने की अनुमति देने संबंधी कोई आदेश नहीं दिया है। अदालत का यह स्पष्टीकरण तब आया जब एक दिन पहले ही शहर की सड़कों पर बाइक टैक्सी सेवाएं फिर से शुरू होती देखी गईं। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार कानून के अनुसार बाइक टैक्सी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन प्रवर्तन प्राधिकारियों को व्यक्तिगत वाहन मालिकों को निशाना बनाने से बचना चाहिए। बीस अगस्त को सुनवाई के दौरान पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 22 सितंबर निर्धारित की थी और सरकार को यह निर्णय लेने का समय दे दिया था कि क्या वह बाइक टैक्सी पर कोई नीति बनाना चाहती है। महाधिवक्ता शशिकिरण शेट्टी ने शुक्रवार को अदालत को बताया कि कई संचालकों ने सेवाएं पुनः शुरू कर दी हैं, जबकि उन्हें ऐसा करने की अनुमति देने वाला कोई न्यायिक आदेश नहीं था।

बाइक टैक्सी सवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि प्रवर्तन अधिकारी व्यक्तिगत मालिकों

की मोटरसाइकिल जब्त कर रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि उसकी प्रारंभिक चिंता सवारियों और मालिकों को अनावश्यक परेशानी से बचाने तक सीमित थी और उसने सरकार से उनके खिलाफ जल्दबाजी में ''कार्रवाई'' नहीं करने के लिए कहा।

मुख्य न्यायाधीश बाखरू ने महाधिवक्ता से कहा, ''व्यक्तिगत मालिकों को परेशान न करें।'' महाधिवक्ता ने अदालत को आश्वासन दिया कि ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया है और अपील को अंतिम निपटारे के लिए सूचीबद्ध किया गया है। खंडपीठ के समक्ष याचिकाएं उबर इंडिया सिस्टम्स, एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओला), रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) और अन्य द्वारा दायर की गई थीं।

स्टालिन, विजयन ने भाकपा नेता सुधाकर रेड्डी के निधन पर शोक जताया

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पूर्व महासचिव सुरवरम सुधाकर रेड्डी के निधन पर शोक जताया। लोकसभा के पूर्व सदस्य रेड्डी का 22 अगस्त को हैदराबाद में उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया था। वह 83 साल के थे।

स्टालिन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रेड्डी का जीवन न्याय और सम्मान की लड़ाई को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाकपा के पूर्व महासचिव कॉमरेड सुरवरम सुधाकर रेड्डी के निधन से गहरा दुख हुआ है। एक छात्र नेता के रूप में अपने शुरुआती दिनों से लेकर संसद में अपनी सेवा और बाद में भाकपा के राष्ट्रीय नेता के रूप में, थिरु सुधाकर रेड्डी ने अपना जीवन श्रमिकों, किसानों और हाशिये पर खड़े लोगों के लिए संघर्ष के वास्ते समर्पित कर दिया।

स्टालिन ने कहा, मैंने तमिलनाडु की उनकी (रेड्डी की) यात्राओं के दौरान उनकी गर्मजोशी और विचारों में स्पष्टता देखी थी। वहीं, विजयन ने अपने शोक संदेश में कहा कि रेड्डी ने एक सांसद के रूप में उत्कृष्ट काम किया। उन्होंने कहा, संसद में श्रमिकों और आम लोगों की आवाज उठाने के उनके प्रयास उल्लेखनीय थे। विजयन ने कहा कि सुधाकर रेड्डी एक सौम्य और व्यापक रूप से सम्मानित वामपंथी नेता थे।

मंगलूरु जिला अदालत को मिली बम की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिला अदालत में शुक्रवार को बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। हालांकि बाद में यह धमकी फर्जी पाई गई।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई। सूचना मिलते ही मंगलूरु पुलिस बम निरोधक दस्ते के साथ मौके पर पहुंची और अदालत परिसर तथा आस-पास के इलाकों की गहन तलाशी ली लेकिन वहां कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने कहा कि यह धमकी फर्जी थी जो भय का माहौल पैदा करने और न्यायिक कार्यवाही को बाधित करने के इरादे से दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मंगलूरु उत्तर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

ईडी ने 'अवैध' सट्टेबाजी मामले में कर्नाटक के एक कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र 'पप्पी' को कथित अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत शनिवार को सिक्किम से गिरफ्तार किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि उसने शुक्रवार को कई राज्यों में छापेमारी शुरू की तथा 12 करोड़ रुपये नकद (करीब एक करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा सहित), छह करोड़ रुपये के सोने के आभूषण, लगभग 10 किलोग्राम चांदी और चार वाहन जब्त किए।

ईडी ने हांलाकि यह नहीं बताया कि किस स्थान से क्या जब्त किया गया। उसके द्वारा जारी की गई तस्वीर में कैसीनो की मेज पर नोटों की बड़ी-बड़ी गड्डियां रखी हुई दिखाई दे रही हैं। ईडी ने कहा कि कर्नाटक की चित्रदुर्ग विधानसभा क्षेत्र के 50 वर्षीय विधायक 'पप्पी' को शुक्रवार को सिक्किम की राजधानी गंगटोक से धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 'अवैध' ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिया गया।

ईडी ने बताया कि विधायक अपने सहयोगियों के साथ एक कैसीनो लीज पर लेने के लिए व्यावसायिक यात्रा पर गंगटोक गए थे। उसने बताया कि पप्पी' को

शुक्रवार को सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और उन्हें बेंगलूरु की न्यायिक अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड में लिया गया। ईडी का बेंगलूरु ज़ोन मामले की जांच कर रहा है। विधायक की कानूनी टीम या कांग्रेस पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

ईडी ने कहा, वीरेंद्र के भाई के सी नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन राज के परिसरों से कई संपत्तियों संबंधी दस्तावेज भी जब्त किए गए। उसने कहा, उनके अन्य सहयोगी जैसे एक और भाई के सी थिप्पेस्वामी दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का काम संभाल रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि शनिवार को 31 स्थानों पर उसने छापेमारी पूरी की, जिनमें कर्नाटक के चित्रदुर्ग, हुब्बल्ली और बेंगलूरु, जोधपुर (राजस्थान), सिक्किम, मुंबई और गोवा शामिल हैं। गोवा के पांच 'कैसीनो - पपीज कैसीनो गोल्ड', 'ओशन रिवर्स कैसीनो', 'पपीज कैसीनो प्राइड', 'ओशन 7 कैसीनो' और बिग डैडी कैसीनो' पर भी छापेमारी की गई। ईडी के अनुसार, वीरेंद्र पर 'किंग567', 'राजा567', 'पपीज003', 'रत्ना गेमिंग' जैसी ऑनलाइन सट्टेबाजी साइट चलाने का आरोप है और उनके भाई के.सी. थिप्पेस्वामी पर दुबई से 'डायमंड सॉफ्टेक', 'टीआरएस टेक्नोलॉजीज' और 'प्राइम9 टेक्नोलॉजीज' नामक तीन व्यावसायिक संस्थाओं का 'संचालन' करने का आरोप है। ईडी के अनुसार, ये निकाय वीरेंद्र की कॉल सेंटर सेवाओं और गेमिंग व्यवसाय से संबंधित' हैं। एजेंसी ने बताया कि उसने तलाशी के दौरान लगभग 17 बैंक खातों और दो लॉकर पर भी रोक लगा दी, जबकि कुछ इंस्टाग्राम पोस्ट में दावा किया गया था कि विधायक के पास चित्रदुर्ग में '003' नंबर प्लेट वाली कारों का सबसे बड़ा संग्रह' है, जिसकी जांच चल रही है। सूत्रों ने बताया कि इन महंगी गाड़ियों के स्वामित्व और धन के स्रोत की जांच की जा रही है।

ज़ब्त की गई चीजों में कई अंतरराष्ट्रीय कैसीनो सदस्यता और रिवॉर्ड कार्ड शामिल हैं, जिनके नाम हैं - 'एमजीएम कैसीनो', 'मेट्रोपॉलिटन कैसीनो', 'बेलाजियो कैसीनो', 'मरीना कैसीनो', 'कैसीनो ज्वेल', आदि। विभिन्न बैंकों के कई क्रेडिट और डेबिट कार्ड और कुछ पांच-सितारा होटलों के सदस्यता कार्ड भी विभिन्न स्थानों से जब्त किए गए, जिनके बारे में एजेंसी को जानकारी नहीं दी गई।

घर कुबेर पर मिला 'कुबेर का खजाना'

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में शामिल कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र को गिरफ्तार किया है। पीएमएलए 2002 के तहत 1 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा सहित 12 करोड़ रुपये नकद, 6 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण, 10 किलो चांदी के सामान और चार वाहन जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, 17 बैंक खाते ओर दो बैंक लॉकर सील कर दिए गए हैं। वीरेंद्र को धन के स्रोत का पता लगाने के लिए शनिवार को गंगटोक में गिरफ्तार किया गया।

द्रमुक ने अमित शाह पर साधा निशाना

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान संशोधन विधेयक सहित कई मुद्दों पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन की आलोचना किए जाने के बाद, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी ने पलटवार करते हुए एक बार फिर अपना रुख दोहराया है कि यह एक ''काला'' विधेयक है। द्रमुक के उप महासचिव एवं लोकसभा सदस्य ए. राजा ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अमित शाह ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तिरुक्कुरल का जिक्र किया, लेकिन इससे भाजपा को वोट नहीं मिलेंगे।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधा और कहा कि स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को ''काला विधेयक'' कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उन्होंने स्वयं ''काले कारनामे'' किए हैं। इस विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है जिसका विपक्ष कड़ा विरोध कर रहा है।

शुक्रवार को द्रमुक द्वारा जारी एक बयान में ए. राजा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट में 28 मंत्रियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और 39 प्रतिशत कैबिनेट सदस्यों की ''आपराधिक पृष्ठभूमि'' है। राजा ने सवाल किया, ''क्या यह कानून उन पर भी लागू होगा? क्या आप ऐसे कानून को ''काला कानून' नहीं कहेंगे, जिसे केवल उन लोगों को सत्ता से हटाने के लिए लाया गया है जिन्हें वे (भाजपा) पसंद नहीं करते? अगर यह एक अच्छा विधेयक है, तो यह केवल भाजपा पर ही क्यों लागू नहीं होता?'' राजा ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को डराने के लिए यह विधेयक लेकर आई है, और जब स्टालिन ने इस तानाशाही और ''काले कानून'' के खिलाफ आवाज उठाई, तो इससे अमित शाह घबरा गए और ''झूठ का पुलिंदा'' पेश करने पर मजबूर हो गए।

लगातार बारिश से राजस्थान के कई जिलों में जनजीवन प्रभावित, कोटा में सेना की मदद ली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लगातार मूसलाधार बारिश से राजस्थान के सवाई माधोपुर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और कई इलाकों में जलभराव/बाढ़ जैसे हालात हैं। वहीं, कोटा में राहत व बचाव कार्य में सेना की मदद ली गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि लगातार हो रही बारिश से कई जगह राजमार्गों पर यातायात बाधित हुआ है और रेल सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक, कोटा, सवाई माधोपुर, बूंदी एवं दौसा जिलाधिकारियों से फोन पर बात कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बारिश के कारण कई हादसों की भी जानकारी मिली है। सबसे भयावह घटना सुरवाल बांध में हुई जहां आठ से दस लोगों को ले जा रही एक नाव तेज बहाव के कारण डूब गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीन लोगों को बचा लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह ने कहा,'बचाव दल अभियान जारी रखे हुए हैं और लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' वहीं, एक अन्य हादसे में इंदौर के 20 वर्षीय युवक मोंटी तंवर की मौत हो गई जहां कुशाली दर्रा में राष्ट्रीय राजमार्ग 552 पर उनकी कार पानी के तेज बहाव में बह गई। पुलिस उपाधीक्षक (ग्रामीण) पिंटू कुमार ने कहा, मोंटी अपने परिवार को निवाई में छोड़कर इंदौर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, अजमेर में बृहस्पतिवार रात एक व्यक्ति बांध में नहाते समय डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ बांध पर अपना जन्मदिन मना रहा था। जयपुर के चाकसू इलाके में मोटरसाइकिल सवार एक दंपति उफनती नदी में बह गया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पति को बचा लिया लेकिन पत्नी पानी की धार में बह गई।

कोटा में सड़कों पर पानी भर जाने से लोग सड़कों पर तैराकी करते दिखे। भारी बारिश के चलते बूंदी के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। बारिश के कारण बारां के स्कूलों में शुक्रवार और शनिवार को छुट्टी घोषित कर दी गई है। झालावाड़, कोटा और बूंदी के स्कूलों में भी शनिवार को छुट्टी घोषित की गई है। अधिकारियों के अनुसार, कोटा जिले में दो दिन से हो रही लगातार बारिश एवं अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन ने त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। जिला प्रशासन की मदद के लिए सेना स्टेशन कोटा से सेना की गांडीव डिवीजन की इन्फेंट्री रेजिमेंट के 80 जवानों की टीम दीगोद तहसील के निमोदा गांव पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

सेना की टीम ने नीमोदा पहुंचते ही जल भराव की स्थिति का जायजा लिया और जहां जल स्तर बढ़ रहा था वहां से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य शुरू किया। सेना के जवानों ने कई लोगों को निकालकर आश्रय स्थलों तक पहुंचने में मदद की।

जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि प्रशासन पूरी तत्परता के साथ हालात पर नज़र रखे हुए है और प्राथमिकता के आधार पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी हालात का जायजा लेने के लिए मौजूद थे। भीलवाड़ा के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के गोवटा बांध में रघुनाथपुरा निवासी 12वीं कक्षा का छात्र दीपक (17) डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था। इसी दौरान वह नहाने के लिए बांध में उतर गया।

अधिकारियों ने बताया कि सवाई माधोपुर शहर के विभिन्न इलाकों में घरों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को छतों पर शरण लेनी पड़ रही है। भारी बारिश के कारण रेल यातायात भी बाधित हुआ। सवाई माधोपुर स्टेशन पर पटरियां पानी में डूब गईं, जिससे तीन ट्रेन- गंगानगर-कोटा एक्सप्रेस देवपुरा में, जयपुर-बयाना ट्रेन चौथ का बरवाड़ा में और भगत की कोठी-इंदौर एक्सप्रेस वनस्थली निवाई स्टेशन पर रोक दी गईं। दो अन्य ट्रेन जयपुर-मुंबई सेवा और अजमेर-जबलपुर ट्रेन के समय में परिवर्तन किया गया।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के कोटा बैराज के तीन गेट पानी छोड़ने के लिए खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। एक वन अधिकारी ने कहा कि भारी जलभराव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण रणथंभौर बाघ अभयारण्य सफारी को भी दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। बिगड़ते हालात को देखते हुए, जिला प्रशासन ने 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी का आदेश दिया है।

मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को राज्य में सबसे ज्यादा 254 मिलीमीटर बारिश सवाई माधोपुर में हुई। भीलवाड़ा की बिजोलिया तहसील में 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में और अधिक बारिश के अनुमान के चलते जिला प्रशासन 'सतर्क' है। मौसम विभाग ने 23 अगस्त के लिए चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। विभाग ने नौ-दस जिलों में भारी बारिश होने का 'ऑरेंज अलर्ट' भी जारी किया है।

जयपुर में मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में हो रही भारी बारिश की स्थिति पर गम्भीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री ने टोंक, कोटा, सवाई माधोपुर, बूंदी एवं दौसा जिलों के कलेक्टरों से फोन पर बात कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बरसात के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का ओम बिरला नहीं कर पाए सर्वेक्षण

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को राजस्थान में कोटा, बूंदी,बारां, टोंक एवं सवाईमाधोपुर जिलों में बने बाढ़ के हालात का बरसात के जारी रहने के कारण हवाई सर्वेक्षण नहीं कर पाएऔर बाद में वह सड़क मार्ग से प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर निकले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन जाने के बाद श्री बिरला एवं राज्य के कृषि मंत्री डा किरोड़ लाल मीणा एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म शनिवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने वाले थे लेकिन मौसम खराब होने के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया। इसके बाद श्री बिरला सड़क मार्ग से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए केशवरायपाटन के लिए रवाना हुए। मौसम खराब होने के कारण डा मीणा एवं श्री बेढ़म जयपुर से कोटा नहीं पहुंच पाये।

बाद में डा मीणा ने बताया कि आज बूंदी, कोटा, बारां, टोंक एवं सवाईमाधोपुर जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण का कार्यक्रम निर्धारित था लेकिन भारी वर्षा के कारण हेलीकॉप्टर के पायलट ने सुरक्षा कारणों से उड़ान भरने एवं उतरने में असमर्थता जताने पर वे हवाई सर्वेक्षण नहीं कर पाये। उन्होंने बताया कि लेकिन इसके बाद सवाईमाधोपुर जिले के आसपास बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के दौरे पर निकले हैं।

खाद्य मंडी व्यापारियों की हड़ताल से लोग परेशान : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि राज्य में खाद्य पदार्थ मंडियों की हड़ताल से आम जनता परेशान है। उन्होंने सरकार से व्यापारियों से बात कर समाधान निकालने की अपील की। गहलोत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के एक आदेश के अनुसार मंडी और उप-मंडी यार्ड में गैर-अधिसूचित कृषि उपज व खाद्य पदार्थों पर प्रति 100 रुपएके लेनदेन पर 50 पैसे 'यूजर चार्ज' देना होगा। उन्होंने कहा कि रोज काम आने वाले दाल, चावल, आटा, मैदा, सूजी, तिलहन, खाद्य तेल, नमक और सूखे मेवे इसके दायरे में आएंगे, जिससे खाद्य पदार्थों के व्यापारियों एवं ग्राहक दोनों पर ही आर्थिक भार बढ़ेगा।

गहलोत ने 'एक्स' पर कहा, सरकार के इस फैसले के विरोध में प्रदेश की 247 खाद्य पदार्थ मंडियां हड़ताल कर रही हैं। इससे व्यापारियों को घाटा हो रहा है और आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बिना देरी के इन व्यापारियों से बात कर इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरकारी विद्यालयों में 86,000 जर्जर कक्षों के उपयोग पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्य भर के सरकारी विद्यालयों में 86,000 से अधिक जर्जर कक्षों (क्लासरूम) के उपयोग पर रोक लगा दी। न्यायालय ने निर्देश दिया कि इन कमरों को बंद कर दिया जाए और बच्चों को इनमें प्रवेश न करने दिया जाए। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की पीठ ने जुलाई में झालावाड़ में एक स्कूल की छत गिरने से हुए हादसे के बाद करवाए गए सरकारी सर्वेक्षण के मद्देनजर शुक्रवार को यह आदेश दिया। इस घटना में सात विद्यार्थियों की मौत हो गई थी और आठ बच्चे घायल हो गए थे। अदालत ने राज्य सरकार से उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था करने को भी कहा ताकि प्रभावित विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में 63,018 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें 5,26,162 कक्ष हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि इनमें से 86,934 कक्ष पूरी तरह से जर्जर पाए गए। सर्वेक्षण के अनुसार, 5,667 स्कूल उपयोग के लिए पूरी तरह से असुरक्षित पाए गएं। वहीं 17,109 शौचालय जर्जर पाए गए जबकि 29,093 को मरम्मत योग्य पाया गया। जैसलमेर में स्कूल का मुख्य द्वार गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी और दो अन्य छात्र घायल हो गए थे। अदालत ने अब इंजीनियरों से तकनीकी सत्यापन रिपोर्ट मांगी है और मामले की सुनवाई चार सितंबर के लिए तय कर दी।

मोदी के नेतृत्व में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का हो रहा काम : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का आभार जताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जोधपुर और दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की लंबे समय से मांग थी। यह न केवल जोधपुर-दिल्ली बल्कि जोधपुर और जयपुर के बीच बेहतर और तेज कनेक्टिविटी के लिए भी फायदेमंद होगी। प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को मेरे अनुरोध और जोधपुर निवासियों की आवाज को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। पीएम मोदी के नेतृत्व में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का काम हो रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट का भी विकास हो रहा है। इस साल के अंत तक इस सौगात को भी जनता को समर्पित कर दिया जाएगा, और एयर कनेक्टिविटी में भी बढ़ोतरी होगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रस्तावित दौरे को लेकर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पश्चिमी राजस्थान की धरती पर रक्षा मंत्री आ रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। रक्षा मंत्री के आगमन पर हम सभी में नई ऊर्जा और स्पंदन का प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया गया है। हमारा उद्देश्य है कि इस विषय पर गंभीरता से चर्चा की जाए। गहनता से चर्चा के साथ में ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमिटी (जेपीसी) को भेजा गया है। इसमें 21 सदस्य लोकसभा और 10 सदस्य राज्यसभा के होंगे। ऐसा तय किया गया है कि अगले संसद सत्र के समय में दूसरे सप्ताह से पहले इसकी रिपोर्ट प्रकाशित हो जाए और सदन के पटल पर रखी जाए ताकि इसे अगले सेशन में ही पारित करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य रहा है कि राजनीति, राजनीतिक पार्टी और गवर्नेंस में सुचिता आनी चाहिए। मैं यह मानता हूं कि निश्चित तौर पर इसके चलते हुए राजनीतिक क्षेत्र में भी सुचिता का स्तर और बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने 30 दिन से अधिक की न्यायिक हिरासत के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की स्वत: बर्खास्तगी के संविधान संशोधन बिल के विपक्ष के विरोध पर कहा कि जिन लोगों को डर है, वे लोग विरोध कर रहे हैं। जिन लोगों ने ऐसे काम किए हैं, उनको चिंता और भय होना स्वाभाविक है। आज इस परिपक्व होते हुए लोकतंत्र में यह आवश्यक है।

महिला शक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार तत्पर : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर बताते हुए कहा है कि वह बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और महिला उत्थान को प्राथमिकता मानते हुए काम कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालिकाओं को ई-साइकिल वितरण समारोह के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत है तथा हम प्रदेश की महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर हैं।

महिलाओं एवं बेटियों के शिक्षित और सशक्त होने से ही देश और समाज सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनें हमारी संस्कृति एवं संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। मातृशक्ति समाज एवं परिवार में बच्चों के पालन से लेकर बुजुर्गों की सेवा तक विभिन्न भूमिकाओं का बखूबी निर्वहन करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का मूलमंत्र देकर लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार द्वारा गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3.90 लाख बालिकाओं एवं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत लगभग दो लाख बालिकाओं को प्रोत्साहन दिया गया है।

उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर एक लाख 50 हजार रुपएका सेविंग बॉन्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न योजनाओं में लगभग 11 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान की है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपएकिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख सरकारी एवं निजी क्षेत्र में छह लाख नौकरियों के संकल्प को पूरा करेगी।

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से संवाद भी किया और इस दौरान छात्रा सीमा यादव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ई-साइकिल से सपनों को नई उड़ान मिलेगी वहीं छात्रा अभिनीति ने कहा कि ई-साइकिल से आवागमन में होने वाली पैसे की बचत से वह कम्प्यूटर की पढ़ाई कर सकेगी।

इसी तरह, छात्रा विनीता गोठवाल के साइकिल चलाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से कहा कि उनके छात्र जीवन में स्कूल जाने के लिए वे साइकिल का उपयोग करते थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बालिकाओं एवं कामकाजी महिलाओं को ई-साइकिल वितरित की।

सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यायिक व्यवस्था का सुगम होना आवश्यक : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यायिक व्यवस्था का सुगम और त्वरित होना आवश्यक है।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन में न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने न्यायपालिका को सुशासन का रक्षक बताते हुए कहा कि इसके सुदृढ़ीकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। योगी ने कहा कि सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब हमारी न्यायिक व्यवस्था सुगम, त्वरित और सुलभ हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का निर्माण आवश्यक है तथा इसके लिए एक मजबूत और त्वरित न्यायिक व्यवस्था अनिवार्य है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर योगी ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस दौरान उन्होंने न्यायिक सेवा संघ के लिए 50 करोड़ रुपए का 'कॉर्पस फंड' देने की घोषणा की।

योगी ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन को 'न्यायिक अधिकारियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल एकता और परस्पर सहयोग का प्रतीक है बल्कि व्यावसायिक दक्षता और बेस्ट प्रैक्टिस को बढ़ावा देने का भी मंच है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी उपस्थित न्यायमूर्तियों, अवकाश प्राप्त न्यायमूर्तियों और प्रदेश भर से आए न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिवेशन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब भारत अपने संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावना 'न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता' इस आयोजन का आधार है।

योगी ने प्रयागराज के महाकुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह महाकुंभ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, उसी तरह यह अधिवेशन न्यायिक अधिकारियों की एकता और उनकी पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय मौजूद है।

योगी ने कहा, प्रयागराज में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ और लखनऊ में इसकी पीठ प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह न केवल हमारे लिए, बल्कि देश और दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की छवि को विश्वास के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मथुरा जंक्शन से एक वर्षीय बच्ची का अपहरण, पुलिस तलाश में जुटी

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने एक वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, युवक को बच्ची को उठा कर ले जाते हुए देखने के बाद महिला ने शोर मचाया लेकिन जब तक कोई उसे पकड़ता, आरोपी उसी प्लेटफार्म पर झांसी जाने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़कर फरार हो गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाना प्रभारी यादराम सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब दस बजे की है। उन्होंने बताया कि उस समय प्लेटफार्म नंबर एक पर झांसी जाने वाली ट्रेन सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस आ रही थी।

अधिकारी ने बताया कि इससे कुछ ही क्षण पहले प्लेटफार्म पर पति आनंद व दो बच्चियों संग सो रही जबलपुर निवासी पूजा शौचालय गई थी और वापस लौटते समय उसकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो उसकी एक वर्षीय बच्ची को उठाकर ले जा रहा था। उन्होंने बताया कि महिला ने शोर मचाया, जिससे पास में ही सो रहा उसका पति व अन्य लोग जाग गए लेकिन इस हड़बड़ाहट में चोर चलती गाड़ी में सवार होकर फरार हो गया। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी की फुटेज में भी एक युवक पूजा की बच्ची को गोद में उठाकर ले जाता दिखाई दिया है।

मैं डरता नहीं, सच बोलता रहूंगा: महाराष्ट्र में प्राथमिकी दर्ज होने पर तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित महाराष्ट्र में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से ''नहीं डरते'' और ''सच बोलना जारी रखेंगे।

तेजस्वी के खिलाफ उनके 'एक्स' हैंडल पर किए गए एक पोस्ट के लिए गढ़चिरौली जिले में मामला दर्ज किया गया है। इस पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोगों से किए गए वादे जुमला थे। तेजस्वी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के बिहार दौरे से पहले यह पोस्ट किया था। जब 'पीटीआई वीडियो' ने मामले में टिप्पणी के लिए संपर्क किया, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, प्राथमिकी से कौन डरता है? क्या 'जुमला' कोई आपत्तिजनक शब्द है? मैं तो बस सच कह रहा था। और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। वे मेरे खिलाफ जितने चाहें, उतने मामले दर्ज करा सकते हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ बिहार के कटिहार जिले में मछली बाजारों और मखाना के खेतों की यात्रा करते हुए यह बात कही। राहुल 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत बिहार के दौरे पर हैं। कांग्रेस नेता को मछुआरों और मखाना उत्पादकों से बातचीत करते तथा उनकी समस्याएं सुनते देखा गया। इस दौरान निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सहित कई नेता मौजूद थे। इस साल की शुरुआत में पेश केंद्रीय बजट में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 'मखाना बोर्ड' की स्थापना की घोषणा की गई थी।

'घपला तिकड़ी' मिलकर वोट की डकैती कर रही हैं: अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), निर्वाचन आयोग और अधिकारियों को 'घपला तिकड़ी' करार देते हुए कहा कि तीनों मिलकर वोटों की डकैती कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, भाजपा-निर्वाचन आयोग-अधिकारी' की 'घपला तिकड़ी' मिलकर 'वोट-डकैती' कर रही है। यादव ने कहा, दरअसल ये वो तीन तिगाड़ा है, जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान-भविष्य बिगाड़ा है।

उन्होंने पोस्ट में दो मिनट 49 सेकेंड का एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें शुरुआत में ही यह नारा गूंज रहा है-वोट की चोरी करने वालों, जनता तुम्हें हराएगी, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोग डंटे हैं, सत्ता तेरी जाएगी!

मेरी हत्या होती है तो इसके जिम्मेदार अखिलेश यादव होंगे: पूजा पाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कौशांबी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करने पर समाजवादी पार्टी से निष्कासित की गईं विधायक पूजा पाल ने कहा है कि अगर उनकी हत्या होती है तो इसके लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके प्रमुख अखिलेश यादव जिम्मेदार होंगे।

पाल ने 'एक्स' पर लिखा, मेरे पति के हत्यारों को सजा मिल गई है। आपने (अखिलेश) मुझे जिस तरह से बीच रास्ते में अपमानित करके मरने के लिए छोड़ दिया है, उससे समाजवादी पार्टी के आपराधिक प्रवृत्ति के समर्थकों का मनोबल बहुत बढ़ गया है। इसलिए संभव है कि मेरे पति की तरह मेरी भी हत्या कर दी जाए। यदि ऐसा होता है तो मेरी हत्या का वास्तविक दोषी समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को माना जाए। पाल ने सपा से निष्कासित होने के बारे में लिखा, इतने बड़े बड़े दर्द सहने के बाद आपकी पार्टी से निष्कासन का दर्द बहुत छोटा दिखता है। अखिलेश यादव जी आप अपने दिमाग पर जोर डालकर यह याद कीजिए कि प्रयागराज की सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर मेरे पति की हत्या की गई थी। उन्होंने कहा, संविधान बचाने का ढोंग करने वाली आपकी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में अति पिछड़े परिवार की बदनसीब बेटी के पति का पार्थिव शरीर, अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं दिया गया। आप अतीक अहमद जैसे पापी के आगे झुक गए होंगे, लेकिन इतने दिनों में मैं कभी किसी माफिया के सामने ना झुकी हूं और ना भयभीत हुई।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज के माफिया अतीक अहमद की हत्या को लेकर पूजा पाल ने हाल ही में सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की थी जिसके बाद अखिलेश यादव ने पूजा पाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पूजा पाल ने कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं के कहने पर मैं इस पार्टी में शामिल हुई और तीसरी बार विधायक बनी। लेकिन पार्टी में कार्य करते हुए मुझे एहसास होने लगा कि यहां मुस्लिम को पहला दर्जा मिला हुआ है, जबकि पिछड़े, अति पिछड़े और दलित दूसरे दर्जे के हैं। उन्होंने कहा, मुस्लिम चाहे जितने बड़े अपराधी हों, उनको सम्मान देना, उनको ताकत देना, उनकी शक्ति बढ़ाना समाजवादी पार्टी की पहली प्राथमिकता है। मैंने बहुत प्रयास किया कि आप हमारे पति के हत्यारों को उनके किए की सजा दिलाएंगे, लेकिन हर प्रयास के बावजूद सिर्फ निराशा ही हाथ लगी। उल्लेखनीय है कि बहुजन समाज पार्टी के विधायक और पूजा पाल के पति राजू पाल की 2005 में हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप माफिया अतीक अहमद पर था। राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या समेत 100 से अधिक आपराधिक मामलों में नामजद अतीक अहमद की 15 अप्रैल, 2023 को प्रयागराज के काल्विन अस्पताल के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

असम के राजमार्गों की मरम्मत होने तक टोल वसूली स्थगित करे सरकार : गौरव गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर प्रदेश में राजमार्गों की मरम्मत होने तक टोल वसूली स्थगित करने का आग्रह किया है।

लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने दावा किया कि राजमार्गों पर टोल वसूली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है, क्योंकि राजमार्गों की हालत बहुत खराब है। गोगोई ने गडकरी को लिखे पत्र में कहा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएच-27 और एनएच-37 के प्रमुख हिस्सों पर टोल वसूलना जारी रखे हुए है, जबकि सड़कें गहरे गड्ढों, असमान सतहों और लगातार जलभराव से ग्रस्त हैं। शनिवार को इस पत्र की प्रति मीडिया से साझा की गई। गोगोई ने कहा, इन स्थितियों से जीवन को खतरा होता है, वाहनों को नुकसान पहुंचता है और यात्रा में विलंब होता है। विशेष चिंता का विषय सोनापुर-राहा (एनएच-27/एनएच-37) और बैहाटा चरियाली (मदनपुर)-नलबाड़ी (गलिया टोल प्लाजा) टोल प्लाजा हैं, जहां कई दुर्घटनाएं होती हैं और यात्रा का समय भी लंबा होता है। जोरहाट से सांसद गोगोई ने कहा कि मौजूदा और आगामी दोनों टोल प्लाजा के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं तथा लोग बाढ़, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के बीच बढ़ते टोल शुल्क का विरोध कर रहे हैं। असम की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण ट्रक चालक और ट्रांसपोर्टर भारी लागत की शिकायत करते हैं, जिससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं और उससे घरेलू खर्च पर और अधिक बोझ पड़ता है। गोगोई ने कहा, केरल में एनएच-544 की स्थिति पर उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले के मद्देनजर यह मामला अत्यावश्यक हो गया है, जिसमें कहा गया है कि नागरिकों को नालियों और गड्ढों से गुजरने के लिए टोल का भुगतान करने को मजबूर नहीं किया जा सकता।

गोगोई ने कहा कि आदेश में जोर दिया गया है कि टोल संग्रह का मूल आधार सुरक्षित और विनियमित पहुंच प्रदान करना है और ऐसा सुनिश्चित करने में विफलता टोल व्यवस्था की वैधता को कमजोर करती है।

शुभेंदु की नजर ममता की भवानीपुर सीट पर, तृणमूल नंदीग्राम पर दे रही खास ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बिसात नए सिरे से बिछाई जा रही है जहां विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपनी नजरें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर पर टिका दी हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने भाजपा नेता के गढ़ नंदीग्राम पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सूत्रों के अनुसार, अधिकारी ने बूथ स्तर की ताकत और कमजोरियों का पता लगाने के लिए भवानीपुर में एक विशेष सर्वेक्षण शुरू किया है, जिसमें पता लगाया जा रहा है कि 2021 में मुख्यमंत्री बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहां बढ़त बनाई और कहां पिछड़ गई।

भाजपा के एक नेता ने कहा, शुभेंदु अधिकारी का रुख स्पष्ट है; ममता बनर्जी को भवानीपुर में खुली छूट नहीं मिलेगी। हम हर मतदाता का विवरण जुटा रहे हैं और इस निर्वाचन क्षेत्र में एक विशेष कार्यालय बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

हाल में बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संभावना पर अधिकारी ने आगाह किया था, इस बार हजारों फर्जी नाम हटाए जाएंगे। हम इस बार इस सीट पर ममता बनर्जी की हार सुनिश्चित करेंगे।

इसके विपरीत, तृणमूल कांग्रेस चुपचाप लेकिन लगातार नंदीग्राम में अपनी रणनीति बदल रही है, जहां 2021 में शुभेंदु अधिकारी के साथ ममता की भिड़ंत में अधिकारी 1,956 वोटों से जीते थे। इसका परिणाम अभी भी अदालत में लंबित है।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित शीर्ष नेताओं ने शुभेंदु अधिकारी के क्षेत्र में पैठ बढ़ाने के लिए जिला नेताओं और ब्लॉक स्तर के नेताओं के साथ लगातार बैठकें शुरू कर दी हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ दल के एक नेता ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में, अभिषेक बनर्जी जैसे पार्टी के शीर्ष नेताओं ने तामलुक समेत कई संगठनात्मक जिलों के नेताओं से मुलाकात की है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि नंदीग्राम के लिए एक अलग, केंद्रित रणनीति की जरूरत है। बूथ अध्यक्षों और जमीनी स्तर के नेताओं के साथ जल्द ही एक विशेष बैठक बुलाई जाएगी।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, दोनों खेमे इन दो निर्वाचन क्षेत्रों के प्रतीकात्मक महत्व को नहीं भूले हैं।

जहां भवानीपुर एक दशक से भी अधिक समय से ममता बनर्जी का गढ़ रहा है, वहीं नंदीग्राम में उनका दांव 2021 में उल्टा पड़ गया। फिलहाल, सबकी नजर नंदीग्राम में तृणमूल के अगले कदम पर है।

तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पार्टी आलाकमान जानता है कि शुभेंदु को उनके ही घर में हराने का असर सिर्फ़ संख्याबल से कहीं ज़्यादा होगा। यह एक राजनीतिक बदला होगा।

नंदीग्राम 2007 में सुर्खियों में आया था। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन के तेज होने के कारण बाद में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई और ममता बनर्जी सत्ता में आईं। शुभेंदु अधिकारी उस समय ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में थे। विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले दिसंबर 2020 में अधिकारी भाजपा में शामिल हो गए।

गैंगस्टर मयंक सिंह को आजरबैजान से प्रत्यर्पित करके रांची लाया गया

रांची/भाषा। अजरबैजान से प्रत्यर्पण के बाद झारखंड आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा गैंगस्टर मयंक सिंह को शनिवार सुबह रांची वापस लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस के पुलिस अधीक्षक ऋषव कुमार झा के नेतृत्व में एटीएस के दल ने दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के अनुसार औपचारिकताएं पूरी कीं और फिर सिंह उर्फ सुनील मीणा को वापस लाने के लिए आजरबैजान का दौरा किया।

रांची हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद झा ने कहा, झारखंड पुलिस के इतिहास में यह पहला सफल प्रत्यर्पण है। हमें उम्मीद है कि विदेश में मौजूद बाकी अपराधियों को भी जल्द ही प्रत्यर्पण या निर्वासन के जरिए वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है और इसका श्रेय हमारे पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री और राज्य व केंद्र सरकार के सहयोग को जाता है। एसपी ने बताया कि सिंह झारखंड, राजस्थान और पंजाब समेत अन्य राज्यों में दर्ज 50 से अधिक मामलों में वांछित है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पारिस्थितिकी संबंधी 'महा आपदा' : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर' परियोजना को पारिस्थितिकी संबंधी महा आपदा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना को मनमाने ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

रमेश ने इस मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ अपने पिछले संवाद का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने परियोजना पर चिंता जताई थी। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पर्यावरण मंत्री के साथ बातचीत का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। उन्होंने कुछ खबरों का हवाला देते हुए कहा कि नए साक्ष्य बताते हैं कि वन अधिकार अधिनियम के तहत स्थानीय आदिवासी समुदायों के अधिकारों का समाधान नहीं किया गया है। रमेश ने दावा किया कि यह परियोजना नि:संदेह पारिस्थितिकी संबंधी महा आपदा है। कांग्रेस नेता ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कई बार चिंता जता चुके हैं। इस क्षेत्र के वनवासियों और आदिवासियों के अधिकारों का ध्यान नहीं रखा गया है। ग्रेट निकोबार परियोजना में 160 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में एक बंदरगाह, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक टाउनशिप और एक बिजली संयंत्र का निर्माण शामिल है।

दुकानदार ने टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से किया कुकर्म, गिरफ्तार

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में टॉफी का लालच देकर आठ और नौ वर्ष के दो बच्चों से कथित तौर पर कुकर्म करने वाले दुकानदार को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उभांव थानाक्षेत्र के एक कस्बे में 11 अगस्त की शाम को आठ और नौ वर्ष के दो बच्चे एक दुकान के सामने खेल रहे थे कि तभी अफजाल अंसारी उर्फ राजू मास्टर (43) नाम के दुकानदार ने दोनों बच्चों को टॉफी का लालच देकर बुलाया और दुकान में उनसे कथित तौर पर कुकर्म किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बच्चों को घटना के बारे में किसी को भी बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी लेकिन बच्चों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी।

विश्वकप में भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ महिला टीम: रीमा मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व हरफनमौला रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को शानदार करार देते हुए कहा कि यह विश्व कप में अब तक की सबसे मजबूत और घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने की दावेदार टीम है।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज शुरुआती दिन गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के शानदार मिश्रण का जिक्र करते हुए रीमा ने 'भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, यह किसी भी महिला विश्व कप को देखे तो भारत की सबसे मजबूत टीम है। इसमें हरमनप्रीत (कौर), स्मृति मंधाना, जैमी (जेमिमा रोड्रिग्स), दीप्ति (शर्मा) जैसी अनुभवी खिलाड़ी है तो वहीं अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे दमखम वाले युवा भी है। उन्होंने कहा, टीम में जोश और होश का अच्छा मिश्रण है। मुझे नहीं लगता कि आपको विश्व कप के लिए इससे अच्छी टीम मिलेगी। आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा टीम में जगह बनाने में नाकाम रही लेकिन रीमा ने उनकी जगह प्रतिका रावल के चयन को सही करार देते हुए कहा कि दिल्ली की इस बल्लेबाज के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। प्रतिका ने भारत के लिए 14 एकदिवसीय में 54.07 के औसत से 754 रन (एक शतक और पांच अर्धशतक) रन बनाये हैं। शेफाली के नाम 29 एकदिवसीय में लगभग 23 के औसत से 644 रन (चार अर्धशतक) है। इस दौरान शेफाली का स्ट्राइक रेट 83.20 का रहा है तो वहीं प्रतिका ने इस मामले में भी बेहतर करते हुए 87.43 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। भारत के लिए 41 एकदिवसीय और 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली रीमा ने कहा, शेफाली बड़ा नाम है। वह ऐसा एक्स फैक्टर (अपने दम पर मैच पासा पलटने वाला खिलाड़ी) है जिसे आप अपनी टीम में चाहते हैं। जब एक्स फैक्टर का सामना प्रदर्शन में निरंतरता से होता है तो मुझे लगता है कि कप्तान और चयनकर्ताओं ने नियमित अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को तरजीह दी है और यह सही भी है। प्रतिका ने मौकों को भुनाकर टीम में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने पिछली कुछ शृंखलाओं में खुद को साबित किया है। उन्होंने दिखाया है कि उनके पास एकदिवसीय में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए जरूरी तकनीक और मानसिकता है।

रीमा ने कहा कि भारत की बल्लेबाजी हमेशा मजबूत रही है लेकिन मौजूदा टीम में अब तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज के साथ गेंदबाजी भी में काफी विविधता है। इस टीम में तेज गेंदबाजी में रेणुका सिंह ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी का विकल्प है तो वहीं स्पिन में दीप्ति और राधा यादव के साथ स्नेह राणा भी है। स्नेह राणा सफेद गेंद के मैचों के लिए काफी परिपक्व हो चुकी है और उन्हें पता है कि वनडे में कैसी गेंदबाजी करनी है। भारतीय परिस्थितियों में यह तिकड़ी काफी कारगर साबित होगी। भारत दो बार फाइनल में पहुंचने के बावजूद महिला क्रिकेट विश्व कप अभी तक नहीं जीत पाया है। 2017 के फाइनल में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ नौ रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2005 के फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया ने 98 रनों से हराया था। आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर रीमा ने कहा, हम कुछ मौकों पर खिताब के करीब पहुंचे लेकिन चैंपियन बनने से दूर रह गए। लेकिन यह अलग टीम है। जब आप अच्छा करके बड़े टूर्नामेंट में जाते है तो आत्मविश्वास काफी बढ़ा होता है।

प्रधानमंत्री का घुसपैठियों वाला बयान बिहार के लोगों का 'अपमान': कांग्रेस

कटिहार (बिहार)/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का घुसपैठियों से संबंधित बयान बिहार के लोगों का अपमान है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने कटिहार में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों को करारा जवाब देंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, शुक्रवार को गयाजी में जनसभा में प्रधानमंत्री द्वारा घुसपैठियों पर दिया गया बयान बिहार के लोगों का अपमान है। यह उन 65 लाख से ज्यादा लोगों का भी अपमान है जिनके वोट बिहार में काट दिए गए हैं। बिहार के लोग भाजपा और उसके सहयोगियों को करारा जवाब देंगे। प्रतापगढ़ी ने सवाल किया, प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए कि घुसपैठिए बिहार में कैसे घुस आए...केंद्र सरकार के अधीन आने वाले सीमा सुरक्षा बल पिछले 11 वर्षों से क्या कर रहे हैं? प्रधानमंत्री ने गयाजी में शुक्रवार को एक जनसभा में कहा था, देश में घुसपैठियों की बढ़ती संख्या बेहद चिंता का विषय है। बिहार के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है। इसीलिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने तय किया है कि इस देश का भविष्य घुसपैठियों के हाथों में नहीं जाने दिया जायेगा। उन्होंने कहा था, हम घुसपैठियों को बिहार के युवाओं का रोज़गार छीनने नहीं देंगे।

सुविचार

साहस का अर्थ ये नहीं कि डर ही न हो, बल्कि ये है कि डर के बावजूद आगे बढ़ा जाए।

ट्वीट

चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता को समर्पित राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! यह दिवस भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों, अनुसंधान क्षमता और अंतरिक्ष विज्ञान में बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है।

-भजनलाल शर्मा

वंदे भारत केवल एक ट्रेन नहीं, एक नई गति है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद और माननीय रेल मंत्री जी के सहयोग से जोधपुर को दिल्ली के लिए 'अपनी' वंदे भारत एक्सप्रेस मिली है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

दरिंदे

रूपसिंह चंदेल

आपकी चिन्ता वाज़िब है। शिखर समितियाँ भी शिकायतों के बोझ से दबी हुई हैं। वर्षों पुरानी शिकायतों का निस्तारण वे नहीं कर पातीं। उनकी भी समस्याएँ हैं। चार समितियाँ हैं और चारों के अधिकार क्षेत्र अलग हैं। चारों यही निर्णय नहीं कर पातीं कि कौन-सी शिकायत किसके अधिकार क्षेत्र की है... हैं बेशक सभी यौन-प्रताड़ना से संबन्धित। किसी महिला प्राध्यापक को उसके सहयोगी ने प्रताड़ित करने का प्रयत्न किया तो किसी छात्रा को उसके प्रोफेसर ने। सभी शिकायतकर्ता अर्पिता वर्मा जैसी भाग्यशाली नहीं कि उन्हें वी.सी. बुला लेते या कोई पत्रकार तक उनकी पीड़ा पहुँच पाती। वी.सी. अति व्यस्त व्यक्ति... देश-देशांतर के सेमिनारों आदि में उन्हें भाग लेना होता है। किस-किस की सुनें।

आप भले ही यह सोचें कि यह किसी विश्वविद्यालय के किसी प्रोफेसर की कहानी है, जिसकी अधीनस्थ अधिकारी ने उसके विरुद्ध यौन प्रताड़ना की लिखित शिकायत वाइस चांसलर से लेकर ऐसे मामलों के लिए गठित शिखर समितियों से की; लेकिन वे लंबे समय तक कान में तेल डाले बैठे रहे और प्राफेसर साहब अपने मित्रों और परिचितों से शिकायतकर्ता पर दबाव डलवाते रहे कि वह शिकायत वापस लेकर अपनी नौकरी की रक्षा करे, क्योंकि उसकी नौकरी एडहॉक है।

मेरी कहानी न किसी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बनर्जी, चटर्जी, मुखर्जी, बाली, कमाली, सिंह, शर्मा की है और न ही वहाँ की किसी अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी मिस मोनिका या मीनाक्षी की। यह कहानी एक विशुद्ध क्लर्क की है, जो एक सरकारी दफ्तर में काम करती थी।

मैं जानता हूँ कि पूरी कहानी सुनने के बाद आप यह कहेंगें कि मेरी पात्र विमला रस्तोगी और प्रोफेसर के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाने वाली उसकी अधीनस्थ अधिकारी अर्पिता वर्मा की कहानी में साम्यता है। आप यह भी कहेंगे कि विमला रस्तोगी को सताने वाला महानिदेशक वेणु कामथ और अर्पिता वर्मा से तुम्हारे पास बहुत कीमती...' और सट जा या हट जा जैसे शब्द कहने वाले प्रोफेसर प्रद्योत सेन में कोई अंतर नहीं है। लेकिन दोनों में कुछ अंतर है...। अर्पिता वर्मा की प्रताड़ना की कहानी एक पत्रकार को ज्ञात हुई, उसने उसे समझा और अपने राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन में कुछ सुगबुगाहट हुई। मेजें हिलीं, कुर्सियों में फुसफुसाहट हुई। वाइस चांसलर ने शिकायत न मिलने, कहीं डाक स्तर में पड़ी होने को लेकर मलाल व्यक्त किया। लेकिन बड़े विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का दिल बड़ा होता है। उन्होंने कहलवाया कि पीड़िता को शिकायत लिख भेजने के बजाय सीधे उनसे मिलकर पीड़ा व्यक्त करनी चाहिए थी। आखिर वह भी प्रोफेसर थे... अभी भी हैं। एक प्रोफेसर के विरुद्ध एक अदने अधिकारी की शिकायत सुनना उनके कर्तव्य क्षेत्र में आता है। दण्ड-व्यवस्था बाद की बात है। शिकायत उन तक पहुँचनी चाहिए। पंद्रह दिन बाद भी नहीं पहुँची तो शिकायतकर्ता को दुखी नहीं होना चाहिए। अर्जी कहीं अटक गई है। सभी पर काम का बोझ है। फाइलों के बोझ तले अर्पिता वर्मा की अर्जी कहीं दबी होगी। शिक्षा के मंदिर का छोटा-बड़ा हर पुजारी बहुत व्यस्त है। लेकिन अर्जी का दम घुटने न पाएगा। अंतिम साँस तक वह निकलेगी और उन तक पहुँच ही जाएगी। लेकिन वह सहृदय हैं... दयालु हैं और अर्पिता वर्मा को उन्होंने स्वयं आकर मिलने का संदेश दिया। वह गई और शिकायत ले ली गई। कृपालु वी.सी. ने दम साधकर प्रोफेसर प्रद्योत सेन के विरुद्ध शिकायत सुनी और अर्पिता वर्मा के अपने चैम्बर से बाहर निकलने के बाद पत्रकार को दिल खोलकर कोसा जो छोटे-बड़े मसलों को एक-सा मानकर मनमाने ढंग से रिपोर्ट छाप देते हैं।

लेकिन मित्र, विमला रस्तोगी किससे शिकायत करती! तब तक यौन प्रताड़ना के विषय में कोर्ट का सख्त आदेश न था और होता भी तब भी सरकारी दफ्तर, जहाँ अफसरों की तानाशाही किसी राजशाही ढंग से कार्यरत है, विमला रस्तोगी को मीडिया तक जाने का साहस न दे पाता। हाँ, आप ठीक कह रहे हैं। विश्वविद्यालयों में भी प्रोफेसरों की तानाशाही सरकरी अफसरशाही से कम नहीं है।

पी-एच.डी. से लेकर नियुक्तियों तक... सर्वत्र अराजकता व्याप्त है। आपकी सलाह महत्वपूर्ण है कि देश के सभी केन्दीय विश्वविद्यालयों की नियुक्तियाँ यू.पी.एस.सी. द्वारा संयुक्त विज्ञापन के आधार पर की जाएँ और प्राध्यापक से लेकर प्राफेसर तक के पद स्थानातंरणीय हों। शायद तब शिक्षा के मंदिरों में होने वाले भ्रष्टाचार पर कुछ अंकुश लग सके। वर्ना प्रोफेसरों के कच्छे ढीले होने की कहानियों पर विराम संभव नहीं और न ही अपने चहेतों की नियुक्तियों पर रोक।

आपकी चिन्ता वाज़िब है। शिखर समितियाँ भी शिकायतों के बोझ से दबी हुई हैं। वर्षों पुरानी शिकायतों का निस्तारण वे नहीं कर पातीं। उनकी भी समस्याएँ हैं। चार समितियाँ हैं और चारों के अधिकार क्षेत्र अलग हैं। चारों यही निर्णय नहीं कर पातीं कि कौन-सी शिकायत किसके अधिकार क्षेत्र की है... हैं बेशक सभी यौन-प्रताड़ना से संबन्धित। किसी महिला प्राध्यापक को उसके सहयोगी ने प्रताड़ित करने का प्रयत्न किया तो किसी छात्रा को उसके प्रोफेसर ने। सभी शिकायतकर्ता अर्पिता वर्मा जैसी भाग्यशाली नहीं कि उन्हें वी.सी. बुला लेते या कोई पत्रकार तक उनकी पीड़ा पहुँच पाती। वी.सी. अति व्यस्त व्यक्ति... देश-देशांतर के सेमिनारों आदि में उन्हें भाग लेना होता है। किस-किस की सुनें। अर्पिता वर्मा को सुन लिया यह क्या कम है!

आप ठीक कह रहे हैं। अर्पिता वर्मा जैसी लड़कियाँ उँगलियों में गिनने योग्य हैं। लेकिन हैं... कम से कम शिक्षा के मंदिरों में ऐसी लड़कियाँ हैं। यदि न होतीं तो शिखर समितियों के पास शिकायतों का जो पुलिन्दा पड़ा है, वह न होता। आप यह भी कह सकते हैं कि यह पुलिन्दा पड़ा ही क्यों है? भई,यह प्रश्न न्यायालय के संदर्भ में भी उठ सकता है। वहाँ न्याय पाने के लिए जिन्दगी ही गुजर जाती है। पहले ही कहा, इसका सीधा कारण काम के बोझ से है। शिखर समितियों के पास कितना काम है... इसकी कल्पना आप नहीं कर सकते। लेकिन आप इस बात से दुखी क्यों हैं कि अपराधी उन्मुक्त घूमते हैं, दूसरों को प्रताड़ित करने की जुगत खेजते हैं और सबसे बड़ी बात यह कि यदि कभी कुछ कार्यवाई हुई भी उनके विरुद्ध तो उन्हें मात्र चेतावनी दी जाती है, या तीन इन्क्रीमेण्ट रोक दिए जाते हैं या... केवल एक ही मामला है इस विश्वविद्यालय के इतिहास में कि यौन-प्रताड़ना प्रकरण में एक प्रोफेसर साहब को नौकरी गँवानी पड़ी थी।

लेकिन विमला रस्तोगी एक सरकारी दफ्तर में नौकरी करती थी, जहाँ किसी अधिकारी के खिलाफ शिकायत करना अपराध था। उसकी सजा नौकरी से बर्खास्तगी या स्थानांतारण था। आप कहते हैं कि बर्खास्तगी विश्वविद्यालय में भी होती है। बताया न कि इस विश्वविद्यालय के इतिहास में केवल एक ही प्रोफेसर को नौकरी से हटाया गया। हाँ, नौकरी जाती है उन्हीं की जो अनुबन्ध पर या एडहॉक होते हैं। नियमित की बर्खास्तगी आसान नहीं। आपने ही बताया कि वहाँ यूनियन ताकतवर है' ...आप सही कहते हैं। शिक्षकों की यूनियन ताकतवर है। उनकी माँगों के सामने सरकार तक घुटने टेक देती है। वह हड़ताल की धमकी देती है और सरकार दुम हिलाती नजर आती है। लेकिन मित्र, कर्मचारी यूनियन यदि ताकतवर होती तो स्थिति ही कुछ और होती। मुझे लगता है कि इस यूनियन में अवसरवादी बैठे हैं जो अपने निजी लाभ के लिए उच्चाधिकारियों के विरुद्ध आवाज उठाना पसंद नहीं करते। और यदि करते हैं तो केवल अपने हित साधन के लिए।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि अब आप चुप रहें। विमला रस्तोगी की चर्चा चलते ही यदि आप अर्पिता वर्मा या विश्वविद्यालय के प्रसंग छेड़ते रहे तो मैं विमला रस्तोगी की बात आप तक नहीं पहुँचा पाऊँगा, जिसे मैं ही पहुँचा सकता हूँ क्योंकि मैं उसका सहयोगी जो था।

विमला रस्तोगी ने बी.ए. किया ही था कि उसके पिता की मृत्यु हो गयी। उन दिनों कर्मचारी की मृत्यु पर परिवार के किसी सदस्य, पत्नी या बच्चे को, अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिल जाती थी। विमला रस्तोगी पिता के स्थान पर क्लर्क बनकर महानिदेशालय कार्यालय में आयी। उन्हीं दिनों यूडीसी के रूप में मैं भी उस कार्यालय में नियुक्त हुआ। विमला को मेरे ही अनुभाग में टाइपिंग के काम में लगाया गया। तीखे नाक-नक्श की सुन्दर लड़की थी वह, जिसके बाल कमर से नीचे तक लटकते रहते थे, जिनमें वह दो बेड़ियाँ गूँथतीं थी। और जब वह चलती तब दोनों चोटियाँ सर्पिणी की भाँति नितम्बों पर हिलती-डुलती रहतीं थीं।

महानिदेशक कार्यालय का यह नियम था, हो सकता है उस विश्वविद्यालय में भी हो, कि जो भी नया व्यक्ति वहाँ नियुक्त होकर आता, दो-चार दिन में उसकी पेशी महानिदेशक वेणु कामथ के सामने अवश्य होती। मेरी भी हुई और मैंने पाया कि वेणु कामथ बहुत मधुर ओर सौम्य स्वभाव का व्यक्ति था। साक्षात्कार के दोरान मेरी टाँगें और आवाज काँप रही थीं, क्योंकि अनुभाग वालों ने कहा था कि दबकर ही उत्तर दूँ... साहब नाराज न हों, खयाल रखूँ। इससे मैं भयभीत था। शायद कामथ ने यह समझ लिया था और साहस देते हुए कहा था कि ईमानदारी से अपना काम करूँ और यदि कोई परेशानी अनुभव करूँ तब पीए के माध्यम से उनसे मिलकर बताऊँ।

महानिदेशक के कमरे से बाहर आया तब मैं कुछ और ही था। भय जा चुका था, क्योंकि कामथ ने मुझसे प्रेम से बात की थी और जब विमला रस्तोगी की पेशी हुई, उसे मुझसे भी अधिक प्यार-दुलार से कामथ ने समझाया। विमला भी गदगद थी। वह मित-भाषी थी। अधिकतर अपनी ही सीट पर चिपकी रहने वाली। कभी बात भी करती तो मुझसे, क्योंकि मैंने उससे एक सप्ताह पहले ज्वाइन किया था।

महानिदेशक कार्यायल में उन दिनों दस और महिलाएँ थीं। लंच के समय वे एक साथ लंच करतीं। उनके आग्रह पुनराग्रह से विमला उनके साथ लंच करने लगी थी। मेरे परिचितों का दायरा भी बढ़ने लगा था। मैं भी लंच में दो-चार बाबुओं के साथ घूमने जाने लगा। एक दिन एक सहयोगी बोला, छ: महीने बीतने को आए, कामथ ने विमला रस्तोगी को याद नहीं किया?'

'क्यों?' मैंने पूछा। 'सहयोगी के चेहरे पर व्यंग्य मुस्कान थी, तुझे कुछ नहीं मालूम?' 'क्याऽऽऽ?' 'शिकार।' 'कैसा?' मैं चौंका था। सहयोगी, जो तीन थे, ठठाकर हँसे थे। हम आइसक्रीम वाले के पास थे। आइसक्रीम ली गई और बात आई गई हो गई थी। और ठीक उसके अगले सप्ताह सुबह दस बजे प्रशासनिक अनुभाग पाँच, जिसका काम अफसरों और उनके बीबी-बच्चों और बँगलों का खयाल रखना था, का अनुभाग अधिकारी विमला रस्तोगी के पास झुका हुआ कुछ फुसफुसा रहा था। विमला रस्तोगी एक सादा कागज और पेन लेकर उसके पीछे हो ली थी। अनुभाग के बाबुओं ने आँखों ही आँखों में एक-दूसरे से कुछ बातें की थीं। मेरा अनुभाग अधिकारी फाइल पर सिर झुकाए कोई नोट तैयार कर रहा था। उसका चेहरा लाल हो उठा था और उसका हाथ काँप रहा था। सच यह था कि अनुभाग के सभी बाबुओं के चेहरों पर तनाव था। उन्हें लग रहा था कि अनुभाग पाँच का अनुभाग अधिकारी उनकी माँद में घुसकर बकरी उठा ले गया था और वे विवश थे कि अपना विरोध भी न जता सके थे। क्षण भर बाद ही सभी के सिर गर्दनों पर यों लटक गए थे मानो वे मुर्दा थे। मैं भौंचक एकाधिक बार उन्हें देख काम करने का प्रयत्न करने लगा था।

बीस मिनट भी न बीते थे कि विमला रस्तोगी दरवाजे पर प्रकट हुई। उसका चेहरा पीला और आँसुओं से भीगा हुआ था। सीट पर बैठते ही उसने टाइप राइटर पर सिर रख लिया और सुबक-सुबक कर रोने लगी। उसके आते ही मेरा अनुभाग अधिकारी फाइल दबा कमरे से बाहर निकल गया। अनुभाग के अन्य चारों बाबू क्रमश: एक-एक कर मुझसे यह कहकर चले गए कि वे चाय पीने जा रहे थे। मैं विमला रस्तोगी से कुछ पूछना चाहता था, लेकिन पूछ नहीं सका। भय, जुगुप्सा और आशंका के मिले-जुले भाव ने मुझे घेर लिया और मैं किंकर्तव्यविमूढ़-सा बैठा रहा।

लगभग एक घण्टा बीत गया। इस बीच अनुभाग अधिकारी फाइल दबाए दबे पाँव कमरे में प्रकट हुआ। उसका चेहरा अभी भी लाल था। बिना बोले नयी फाइल पर सिर झुका वह कुछ पढ़ने लगा था। मैं समझ रहा था कि वह पढ़ नहीं रहा था केवल पढ़ने का बहाना कर रहा था। अनुभाग अधिकारी के बाद एक-एक कर चारों बाबू आ गए और अपनी सीटों पर सिर झुकाकर बैठ गए। विमला रस्तोगी अभी -भी टाइपराइटर पर सिर रखे थी। कमरे में मृत्यु -सा सन्नाटा व्याप्त था। सन्नाटा प्रशासनिक अनुभाग दो के अनुभाग अधिकारी के आने से टूटा। उसके हाथ में एक आदेश की तीन प्रतियाँ थीं। उसने दरवाजे से ही आवाज दी, विमला रस्तोगी sss!

वह एक दक्षिण भारतीय था... संभवत: तमिल। उसे हिन्दी नहीं आती थी। विमला ने सिर नहीं उठाया। अनुभाग अधिकारी की आवाज कुछ ऊँची और तीखी हो उठी, आपको दफ्तर का डिसिप्लिन नईं मालूम?' अंग्रेजी में वह बोला। विमला ने सिर उठाया। आँसुओं की लकीरें उसके मुर्झाए चेहरे पर स्पष्ट थीं। आँखें सूजी हुई थीं।

'ये आपका ट्रांसफर आर्डर है। रिसीव करें...'

'विमला का चेहरा फीका पड़ गया। वह शायद नहीं समझ पा रही थी कि उसे क्या करना चाहिए। तभी सामने खड़ा व्यक्ति तमिल लहजे में अंग्रेजी में चीखा, जल्दी कीजिए और इसे लेकर तुरंत दफ्तर से चली जाइए। डीजी साहब का आदेश है। शुक्र है नौकरी नई गई। अभी प्रोबेशन पर है... और नखरे तो देखो...' वह क्षण भर के लिए रुका, दस दिन का ज्वाइनिंग टाइम दिया है। आपको चेन्नई के निदेशक कार्यालय में रिपोर्ट करना माँगता। ओके... विमला ने काँपते हाथों ट्रांसफर आर्डर ले लिया। प्रशासन दो का अनुभाग अधिकारी मेरे अनुभाग अधिकारी से उसी कड़क स्वर में बोला, 'मिस्टर सिंह, एक कॉपी आपके लिए...' और रिसीव करने के लिए उसने तीसरी प्रति सिंह के आगे बढ़ा दी। 'विमला रस्तोगी झटके से उठी। रूमाल से चेहरा पोछा। एक दृष्टि सब पर डाली। मुझे लगा शायद उस समय वह कहना चाह रही थी, तुम सब कापुरुष हो...। सब...' संभव है वह कुछ और ही कहना चाह रही हो। यह भी संभव है कुछ कहना ही न चाहती हो। बहरहाल, वह पर्स झुलाती कमरे से बाहर निकल गई थी किसी से कुछ कहे बिना। उस समय उसकी चाल में शिथिलता न थी... समर्पण के बजाए उसने सजा स्वीकार कर ली थी। विमला रस्तोगी पर अपने दो छोटे भाइयों और माँ का बोझ था, लेकिन वह चेन्नई नहीं गयी थी। पता चला उसने त्याग पत्र दे दिया था। आपकी बात सही है कि अर्पिता वर्मा प्रकरण ने आज मुझे सहसा विमला रस्तोगी की याद दिला दी। लेकिन मित्र, इस देश में हजारों-हजारों अर्पिता वर्मा और विमला रस्तोगी हैं, जिन पर न किसी पत्रकार की दृष्टि पड़ी न किसी लेखक की और दरिन्दों का खेल बदस्तूर जारी है।

– हिन्दी समय से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्....(6)

आत्मषटकम के छठे और अंतिम श्लोक में आदिगुरु शंकराचार्य महाराज आत्मपरिचय को पराकाष्ठा पर ले जाते हैं।

अहं निर्विकल्पो निराकाररूपो
विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम।
न चासङ्गतं नैव मुक्तिर्न मेयः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम।।

मैं किसी भिन्नता के बिना, किसी रूप अथवा आकार के बिना, हर वस्तु के अंतर्निहित आधार के रूप में हर स्थान पर उपस्थित हूँ। सभी इंद्रियों की पृष्ठभूमि में मैं ही हूँ। न मैं किसी वस्तु से जुड़ा हूँ, न किसी से मुक्त हूँ। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

विचार करें, विवेचन करें तो इन चार पंक्तियों में अनेक विलक्षण आयाम दृष्टिगोचर होते हैं। आत्मरूप स्वयं को समस्त संदेहों से परे घोषित करता है। आत्मरूप एक जैसा और एक समान है। वह निश्चल है, हर स्थिति में अविचल है। आत्मरूप निराकार है अर्थात जिसका कोई आकार नहीं है। सिक्के का दूसरा पहलू है कि आत्मरूप किसी भी आकार में ढल सकता है। आत्मरूप सभी इन्द्रियों को व्याप्त करके स्थित है, सर्वव्यापी है। आत्मरूप में न मुक्ति है, न ही बंधन। वह सदा समता में स्थित है। आत्मरूप किसी वस्तु से जुड़ा नहीं है, साथ ही किसी वस्तु से परे भी नहीं है। वह कहीं नहीं है पर वह है तभी सबकुछ यहीं है।

वस्तुत: मनुष्य स्वयं के आत्मरूप को नहीं जानता और परमात्म को ढूँढने का प्रयास करता है। जगत की इकाई है आत्म। इकाई के बिना दहाई का अस्तित्व नहीं हो सकता। अत: जगत के नियंता से परिचय करने से पूर्व स्वयं से परिचय करना आवश्यक और अनिवार्य है।

मार्ग पर जाते एक साधु ने अपनी परछाई से खेलता बालक देखा। बालक हिलता तो उसकी परछाई हिलती। बालक दौड़ता तो परछाई दौड़ती। बालक उठता-बैठता, जैसा करता स्वाभाविक था कि परछाई की प्रतिक्रिया भी वैसी होती। बालक को आनंद तो आया पर अब वह परछाई को प्राप्त करना का प्रयास करने लगा। वह बार-बार परछाई को पकड़ने का प्रयास करता पर परछाई पकड़ में नहीं आती। हताश बालक रोने लगा। फिर एकाएक जाने क्या हुआ कि बालक ने अपना हाथ अपने सिर पर रख दिया। परछाई का सिर पकड़ में आ गया। बालक तो हँसने लगा पर साधु महाराज रोने लगे।

जाकर बालक के चरणों में अपना माथा टेक दिया। कहा, गुरुवर, आज तक मैं परमात्म को बाहर खोजता रहा पर आज आत्मरूप का दर्शन करा अपने मुझे मार्ग दिखा दिया। आत्मषटकम मनुष्य को संभ्रम के पार ले जाता है, भीतर के अपरंपार से मिलाता है। अपने प्रकाश का, अपनी ज्योति की साक्षी में दर्शन कराता है।

इसी दर्शन द्वारा आत्मषटकम से निर्वाणषटकम की यात्रा पूरी होती है। निर्वाण का अर्थ है, शून्य, निश्चल, शांत, समापन। हरेक स्थान पर स्वयं को पाना पर स्वयं कहीं न होना। मृत्यु तो हरेक की होती है, निर्वाण बिरले ही पाते हैं। षटकम के शब्दों को पढ़ना सरल है। इसके शाब्दिक अर्थ को जानना तुलनात्मक रूप से कठिन। भावार्थ को जानना इससे आगे की यात्रा है, मीमांसा कर पाने का साहस उससे आगे की कठिन सीढ़ी है पर इन सब से बहुत आगे है आत्मषटकम को निर्वाणषटकम के रूप में अपना लेना। अपना निर्वाण प्राप्त कर लेना। यदि निर्वाण तक पहुँच गए तो शेष जीवन में अशेष क्या रह जाएगा? ब्रह्मांड के अशेष तक पहुँचने का एक ही माध्यम है, दृष्टि में शिव को उतारना, सृष्टि में शिव को निहारना और कह उठना, शिवोऽहम...!

बोध कथा

अभागा बुनकर

एक नगर में सोमिलक नाम का जुलाहा रहता था। विविध प्रकार के रंगीन और सुन्दर वस्त्र बनाने के बाद भी उसे भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन कभी प्राप्त नहीं होता था। अन्य जुलाहे मोटा-सादा कपड़ा बुनते हुए धनी हो गये थे। उन्हें देखकर एक दिन सोमलिक ने अपनी पत्नी से कहा---प्रिये ! देखो, मामूली कपड़ा बुनने वाले जुलाहों ने भी कितना धन-वैभव संचित कर लिया है और मैं इतन सुन्दर, उत्कृष्ट वस्त्र बनाते हुए भी आज तक निर्धन ही हूँ। प्रतीत होता है यह स्थान मेरे लिये भाग्यशाली नहीं है; अतः विदेश जाकर धनोपार्जन करूँगा। सोमिलक-पत्नी ने कहा---प्रियतम ! विदेश में धनोपार्जन की कल्पना मिथ्या स्वप्न से अधिक नहीं। धन की प्राप्ति होनी हो तो स्वदेश में ही हो जाती है। न होनी हो तो हथेली में आया धन भी नष्ट हो जाता है। अतः यहीं रहकर व्यवसाय करते रहो, भाग्य में लिखा होगा तो यहीं धन की वर्षा हो जायगी। सोमिलक---भाग्य-अभाग्य की बातें तो कायर लोग करते हैं। लक्ष्मी उद्योगी और पुरुषार्थी शेर-नर को ही प्राप्त होती है। शेर को भी अपने भोजन के लिये उद्यम करना पड़ता है। मैं भी उद्यम करूँगा; विदेश जाकर धन-संचय का यत्न करूँगा। यह कहकर सोमिलक वर्धमानपुर चला गया। वहाँ तीन वर्षों में अपने कौशल से 300 सोने की मुहरें लेकर वह घर की ओर चल दिया। रास्ता लम्बा था। आधे रास्ते में ही दिन ढल गया, शाम हो गई। आस-पास कोई घर नहीं था। एक मोटे वृक्ष की शाखा के ऊपर चढ़कर रात बिताई। सोते-सोते स्वप्न आया कि दो भयंकर आकृति के पुरुष आपस में बात कर रहे हैं। एक ने कहा ----हे पौरुष ! तुझे क्या मालूम नहीं है कि सोमिलक के पास भोजन-वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता; तब तूने इसे 300 मुहरें क्यों दीं ? दूसरा बोला----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक पुरुषार्थी को एक बार उसका फल दूंगा ही। उसे उसके पास रहने देना या नहीं रहने देना तेरे अधीन है।

स्वप्न के बाद सोमिलक की नींद खुली तो देखा कि मुहरों का पात्र खाली था। इतने कष्टों से संचित धन के इस तरह लुप्त हो जाने से सोमिलक बड़ा दुःखी हुआ, और सोचने लगा---अपनी पत्नी को कौनसा मुख दिखाऊँगा, मित्र क्या कहेंगे ? यह सोचकर वह फिर वर्धमानपुर को ही वापिस आ गया। वहाँ दित-रात घोर परिश्रम करके उसने वर्ष भर में ही 500 मुहरें जमा करलीं। उन्हें लेकर वह घर की ओर जा रहा था कि फिर आधे रास्ते में रात पड़ गई। इस बार वह सोने के लिये ठहरा नहीं; चलता ही गया। किन्तु चलते-चलते ही उसने फिर उन दोनों--- पौरुष और भाग्य---को पहले की तरह बात-चीत करते सुना। भाग्य ने फिर वही बात कही कि----हे पौरुष ! क्या तुझे मालूम नहीं कि सोमिलक के पास भोजन वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता। तब, उसे तूने 500 मुहरें क्यों दीं ? पौरुष ने वही उत्तर दिया ----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक व्यवसायी को एक बार उसका फल दूंगा ही, इससे आगे तेरे अधीन है कि उसके पास रहने दे या छीन ले। इस बात-चीत के बाद सोमिलक ने जब अपनी मुहरों वाली गठरी देखी तो वह मुहरों से खाली थी।

इस तरह दो बार खाली हाथ होकर सोमिलक का मन बहुत दुःखी हुआ। उसने सोचा----इस धन-हीन जीवन से तो मृत्यु ही अच्छी है। आज इस वृक्ष की टहनी से रस्सी बाँधकर उस पर लटक जाता हूँ और यहीं प्राण दे देता हूँ।

गले में फन्दा लगा, उसे टहनी से बाँध कर जब वह लटकने ही वाला था कि उसे आकाश-वाणी हुई---सौमिलक ! ऐसा दुःसाहस मत कर। मैंने ही तेरा धन चुराया है। तेरे भाग्य में भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन का उपभोग नहीं लिखा। व्यर्थ के धन-संचय में अपनी शक्तियाँ नष्ट मत कर। घर जाकर सुख से रह। तेरे साहस से तो मैं प्रसन्न हूँ ; तू चाहे तो एक वरदान माँग ले। मैं तेरी इच्छा पूरी करूँगा।

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी: साथी की रक्षा के लिए लगाई छलांग, जलधारा में दिया कर्तव्य के लिए बलिदान

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का जन्म भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में हुआ था। माता नीता तिवारी और पिता जंग बहादुर तिवारी के बेटे शशांक ने अपना सैन्य जीवन शुरू किया ही था कि वे अपने कर्तव्य पथ पर बलिदान हो गए। उस समय शशांक की उम्र 23 साल थी। वे छह महीने पहले सेना में कमीशन्ड हुए थे। उन्होंने 22 मई, 2025 को सिक्किम में एक ऑपरेशनल टास्क के दौरान अपने साथी सैनिक की जान बचाते हुए बलिदान दिया था।

लेफ्टिनेंट शशांक सिक्किम में एक टैक्टिकल ऑपरेटिंग बेस (टीओबी) की ओर रूट ओपनिंग गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे थे। सुबह के लगभग 11 बज रहे थे और अग्निवीर स्टीफन लकड़ी के एक पुल को पार करते समय अपना संतुलन खो बैठे। वे नीचे गिरे और एक जलधारा में बह गए। यह देखकर शशांक ने तुरंत छलांग लगाई और अपने साथी सैनिक को बचाने के लिए आगे बढ़े। जलधारा का वेग बहुत ज्यादा था।

उनकी मदद के लिए एक और सैनिक ने भी छलांग लगाई। दोनों ने अग्निवीर को बचा लिया। हालांकि शशांक तेज़ धारा की चपेट में आ गए थे। वे बहते हुए बहुत दूर चले गए। गश्ती दल की काफी कोशिशों के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका।

आधा घंटे बाद उनका शव बरामद किया गया। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने भारतीय सेना के आदर्शों को सर्वोपरि रखते हुए स्वयं से पहले अपने देशवासियों की फिक्र की। उन्होंने अपने कर्तव्य के सामने प्राणों की भी परवाह नहीं की।

ऐसे वीर सैनिकों के कारण ही यह देश सुरक्षित है। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

अहमदाबाद में शनिवार को 'सेवेंथ डे स्कूल' के छात्रों के अभिभावक स्कूल प्रबंधन के खिलाफ बैनर लेकर स्कूल के बाहर एकत्रित हुए और 10वीं कक्षा के उस छात्र के लिए न्याय की मांग की जिसकी हत्या 8वीं कक्षा के एक छात्र ने की थी।

सफलता मेहनत और प्रतिबद्धता से तय होती है, परीक्षा के अंकों से नहीं : बीआर गवई

पणजी/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने शनिवार को कहा कि पेशेवर जीवन में सफलता का स्तर परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और काम के प्रति प्रतिबद्धता से निर्धारित होता है। उन्होंने याद किया कि वह एक प्रतिभाशाली छात्र थे, लेकिन कक्षाएं छोड़ देते थे। प्रधान न्यायाधीश ने पणजी के निकट मीरामार में वी एम सलगांवकर कॉलेज ऑफ लॉ के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि कानूनी शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने लॉ कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, परीक्षा में अपने रैंक पर मत जाइए, क्योंकि ये परिणाम यह निर्धारित नहीं करते कि आप किस स्तर की सफलता प्राप्त करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और पेशे के प्रति प्रतिबद्धता ही मायने रखती है।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह एक असाधारण छात्र थे, लेकिन अक्सर कक्षाएं छोड़ देते थे। उन्होंने कहा, लेकिन हमारी नकल करने की कोशिश नहीं करें। उन्होंने याद किया कि जब वह मुंबई के सरकारी लॉ कॉलेज में पढ़ते थे, तो वे कक्षाएं छोड़कर कॉलेज की चारदीवारी पर बैठते थे और कक्षा में उनकी हाजिरी उनके मित्र लगाते थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, (कानून की डिग्री के) आखिरी साल में मुझे अमरावती जाना पड़ा, क्योंकि मेरे पिता (महाराष्ट्र) विधान परिषद के सभापति थे। मुंबई में हमारा घर नहीं था। जब मैं अमरावती में था, तो मैं लगभग आधा दर्जन बार ही कॉलेज गया था। मेरे एक मित्र, जो बाद में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने, मेरी हाजिरी लगा देते थे। सीजेआई गवई के पिता दिवंगत आर एस गवई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) के संस्थापक थे। वह 1978 से 1982 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति रहे। बाद में वे बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल बने। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि परिणामों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला छात्र आगे चलकर आपराधिक मामलों के वकील बने, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले छात्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। उन्होंने कहा, और तीसरा मैं था, जो अब भारत का प्रधान न्यायाधीश हूं।

उन्होंने कहा कि वह कॉलेज गए बिना ही मेरिट सूची में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन किताबें पढ़ते रहे और पांच साल के परीक्षा के प्रश्नपत्र हल करते रहे। प्रधान न्यायाधीश ने छात्रों से कहा, अब आप भाग्यशाली हैं कि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के आगमन के साथ, कानूनी शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। जब मैं बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में 'मूट कोर्ट' की अध्यक्षता करता था और छात्रों की दलीलें सुनता था, तो मुझे कभी-कभी लगता था कि उच्च न्यायालय के वकीलों को 'मूट कोर्ट' में उपस्थित होना चाहिए और युवा वकीलों से अदालत में बहस करना सीखना चाहिए।

भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर के मामलों में हो रही वृद्धिः डॉक्टर

नई दिल्ली/भाषा

पद्म पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टरों के एक समूह ने कहा कि भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर खड़ा है, जहां मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियां (एनसीडी) महामारी के स्तर पर पहुंच रही हैं।

हाल में 'पैसिफिक वनहेल्थ' द्वारा आयोजित एक सत्र में, डॉक्टरों ने चेताया कि तत्काल कार्रवाई के बिना, भारत इस एनसीडी महामारी से बहुत ज्यादा प्रभावित होगा। सर गंगाराम अस्पताल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ डी एस राणा ने सार्वभौमिक पहुंच और नैतिक विनियमन की आवश्यकता पर बल दिया।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ राणा ने कहा, हमारा अंतिम लक्ष्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा होना चाहिए। भारत ने प्रगति की है, लेकिन असमानताएं अभी तक बनी हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा को समतापूर्ण बनाने के लिए हमें मजबूत नैतिक प्रथाओं और नियामक साहस की आवश्यकता है, विशेष रूप से दवाओं के मूल्य निर्धारण और अस्पताल की लागत के मामले में।

हृदय रोग के बढ़ते मामलों पर, मेदांता के 'इंटरवेंशनल और स्ट्रक्चरल हार्ट कार्डियोलॉजी' के अध्यक्ष, डॉ प्रवीण चंद्रा ने कहा कि हृदय कई रोगों के लिए जिम्मेदार है।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ चंद्रा ने निवारक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा, गोल्डन ऑवर (जान बचाने के लिहाज से कीमती समय) के दौरान आपातकालीन एंजियोप्लास्टी से अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकती है, तथा उन्नत हृदय संबंधी उपचार अब 80 और 90 वर्ष की आयु के रोगियों के लिए भी सुलभ हैं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एंडोक्राइनोलॉजिस्ट और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. अनूप मिश्रा ने मधुमेह पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। 'फोर्टिस सी-डॉक हॉस्पिटल फॉर डायबिटीज एंड एलाइड साइंसेज' के चेयरमैन और दिल्ली एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के पूर्व प्रोफेसर (मेडिसिन) ने कहा, दिल्ली में हर तीन में से एक निवासी मधुमेह से पीड़ित है, जबकि 30 प्रतिशत लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह गर्व करने लायक बात नहीं है- रोकथाम और प्रारंभिक नियंत्रण बेहद महत्वपूर्ण हैं। ओजेम्पिक जैसी दवाएं आशाजनक परिणाम दे सकती हैं, लेकिन जीवनशैली और जागरूकता ही हमारे पास सबसे मजबूत हथियार हैं।

सर गंगाराम अस्पताल में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. मोहसिन वली ने विश्वास आधारित देखभाल के महत्व पर जोर दिया और अपने अस्पताल के गैर-लाभकारी मॉडल का हवाला देते हुए कहा कि यह 'स्वास्थ्य सेवा जैसी होनी चाहिए' के आदर्श वाक्य को मूर्त रूप देता है।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ. वली ने कहा, ऐसे मॉडल को अपनाकर हम गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं और स्वस्थ भारत की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं। 'पैसिफिक वनहेल्थ' के अध्यक्ष और सह-संस्थापक डॉ. स्वदीप श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को विशेषाधिकार से आगे बढ़कर एक वादा बनना होगा, जो नैतिकता पर आधारित हो, नवाचार से संचालित हो और रोगी पर केंद्रित हो।

श्रीवास्तव ने कहा, पैसिफिक वनहेल्थ में हमारा मानना है कि भविष्य निवारक, प्राथमिक और तृतीयक देखभाल को निर्बाध रूप से जोड़ने में निहित है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीछे न छूटे।

सायरा बानो ने अपने 81वें जन्मदिन पर 'एक्स' पर अकाउंट बनाया

नई दिल्ली/भाषा। गुजरे जमाने की अभिनेत्री सायरा बानो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से जुड़ने वाली नई शख्सियत बन गई हैं। बानो ने शनिवार को अपने 81वें जन्मदिन पर 'एक्स' पर अपना पहला पोस्ट किया। इस पोस्ट में बानो ने पुरानी तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में वह केक के सामने खड़ी दिखाई दे रही हैं। इसके बाद एक और तस्वीर है, जिसमें बानो अपने पति और दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार के साथ नजर आ रही हैं। बानो ने कहा कि वह इस मंच का इस्तेमाल जीवन के बारे में बात करने, पुरानी यादें ताजा करने और दिलीप कुमार को याद करने के लिए करेंगी। उन्होंने लिखा, आज, जब मैं जीवन के एक नए साल में कदम रख रही हूं, तो मैं यहां आप सभी के साथ समय बिताना चाहती हूं, जिंदगी के बारे में बात करना चाहती हूं, यादें ताजा करना चाहती हूं और वह सब कुछ करना चाहती हूं, जो दिलीप साहब को हमारे दिलों के करीब रखता है।

गोविंदा-सुनीता के तलाक की खबर फिर निकली अफवाह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें काफी दिनों से चर्चाओं में थीं। अब अभिनेता के मैनेजर ने भी इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये सब बस अफवाहें हैं। बता दें, एक समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता का तलाक होने वाला है। लेकिन अभिनेता के मैनेजर ने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए इसे सिरे से खारिज करते हुए बताया कि भले ही कोर्ट में कुछ कागज जमा किए थे, लेकिन वह मामला पहले ही सुलझ गया था। अब गोविंदा और सुनीता के बीच सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा, तलाक से जुड़ी जो खबरें सामने आई हैं, वे पुरानी घटनाओं पर आधारित हैं और फिलहाल दंपत्ति के बीच सब कुछ ठीक है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह वही 2024 वाला केस है जो सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में दाखिल किया था, तो उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा कि हां, यह वही केस है, लेकिन अब मामला सुलझ चुका है। शशि ने आगे बताया, यह पुरानी बात है जो फिर से ताजा खबर की तरह फैल रही है। कोई नई बात नहीं हुई है। मुझे लगातार कॉल आ रही हैं, लेकिन सब ठीक है। कपल के बीच लगभग सब कुछ सुलझ गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम जल्द ही आधिकारिक बयान भी जारी करेंगे। उन्होंने मीडिया में फैल रही गलत जानकारियों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा, क्या आपने गोविंदा को इसके बारे में बोलते देखा है? फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया में लोग गलतफहमी और भ्रामक जानकारी का फायदा उठाते हैं।

कोई मूर्ख व्यक्ति इस विवाद से फायदा उठाना चाहता है। बता दें कि इस साल फरवरी में भी ऐसी खबरें सामने आई थीं कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है और कानूनी नोटिस भी भेजा है। वहीं, गोविंदा पिछले कुछ महीनों से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अक्टूबर में बंदूक की सफाई के दौरान उनके पैर में गोली लग गई थी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने परम सुंदरी में जाह्नवी कपूर के साथ काम करने पर कहा, वह अपने प्रदर्शन में स्वाभाविकता लेकर आती हैं

मुंबई/एजेन्सी

जाह्नवी कपूर लगातार खुद को भारतीय सिनेमा की सबसे चमकदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित कर रही हैं। सिर्फ सात साल के करियर में उन्होंने विभिन्न शैलियों की फिल्मों में काम किया है, जिससे उन्हें दर्शकों का प्यार और समीक्षकों की सराहना दोनों मिली है। अब, वह एक बार फिर अपने बहुप्रतीक्षित रिलीज़ परम सुंदरी के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, जो इस शुक्रवार सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मनमोहक ट्रेलर से लेकर म्यूज़िक तक, जाह्नवी ने पहले ही दर्शकों को अपनी दिलचस्प ट्रांसफ़ॉर्मेशन से प्रभावित कर दिया है, जिसमें वह पहली बार आधी तमिल और आधी मलयाली लड़की का किरदार निभा रही हैं। परम सुंदरी के दिल्ली प्रमोशन्स के दौरान, उनके को-स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा जाह्नवी की मेहनत और नैचुरल टैलेंट की तारीफ करते नहीं थके।जाह्नवी के साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा,

सिद्धार्थ ने कहा। मुझे उनका वर्क एथिक बहुत पसंद आया, खासकर इस जॉनर की फिल्म में। स्क्रिप्ट पर पूरी तरह निर्भर रहने की बजाय, वह अपने इंस्टिंक्ट के साथ परफॉर्म करती हैं, उस पल में रिएक्ट करती हैं और वही जादू रचती हैं जिसकी तलाश हर अभिनेता करता है। और जाह्नवी के पास वह इंस्टिंक्ट भरपूर मात्रा में है। उनकी कोलैबोरेटिव स्पिरिट की तारीफ़ करते हुए उन्होंने आगे कहा: वह हमेशा नई चीज़ें ट्राई करने और इम्प्रोवाइज़ करने के लिए तैयार रहती हैं।

ट्रेलर में भी आप उस जादू की झलक साफ़ देख सकते हैं। सिद्धार्थ ने अपने एक पसंदीदा सीन को याद करते हुए मुस्कुराते हुए कहा, मेरा सबसे पसंदीदा सीन वह है जब वह अपनी मलयाली जड़ों को दिखाते हुए हमें नॉर्थ इंडियन लड़कों को देश की भाषाई विविधता के बारे में क्लास लगाती हैं। जहां तक उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात है, जाह्नवी की लाइन-अप काफी दिलचस्प है वह करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी और अपनी पहली बड़ी पैन-इंडिया फिल्म पेड्डी में राम चरण के अपोज़िट दिखेंगी।

एटीवी राइड पर निकलीं मोनालिसा

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एन्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है। कुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिंक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, 'क्या फन है!' इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

उत्सव

छत्तीसगढ़ के जनजातीय कार्य, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम शनिवार को रायपुर स्थित अपने सरकारी आवास पर पोरा उत्सव मनाते हुए।

परफेक्ट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं : अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे का मानना है कि लगातार लोगों की नजरों में रहना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अपने चाहने वालों और लगातार काम पर ध्यान केंद्रित करने से वे संतुलन बनाए रखती हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि उनका आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है और यह जानने से कि परफेक्ट होना जरूरी नहीं हैकभी-कभी गलतियां भी ठीक होती हैं।

बातचीत में अनन्या से पूछा कि वह लगातार लोगों की नजरों के बीच अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को कैसे बनाए रखती हैं, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, यह हमेशा आसान नहीं होता। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब बातें आपको बहुत परेशान करने लगती हैं। समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया है कि जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी है। अनन्या

ने बताया, मैं जमीन से जुड़ी रहने की कोशिश करती हूं और खुद को याद दिलाती हूं कि परफेक्ट न होना भी ठीक है।

आत्मविश्वास तब आता है जब आप अपने अच्छे और बुरे दोनों में खुद को स्वीकार करते हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'कोई भी परफेक्ट नहीं होता!'

अनन्या ने हाल ही में 'एयरबीएनबी' के लिए एक खास अनुभव की मेजबानी की, जिसमें उनकी ए-टीम ने हिस्सा लिया। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है, लेकिन मेरे लिए इसमें सबसे खास बात यह है कि यहां पर मेहमानों के अंदर आत्मविश्वास में बदलाव देखना। यह उनके लुक को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके असल रूप को सेलिब्रेट करने के बारे में है। ग्लैम सेशन के बाद, सभी के साथ समय बिताना, हंसी-मजाक, और मजेदार सेल्फी लेना इसे और भी यादगार बनाता है।

अनन्या की आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन, जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कार्तिक और अनन्या इससे पहले 2019 में 'पति, पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है।

टीआईएफएफ में अपनी सीरीज 'गांधी' के विश्व प्रीमियर को लेकर उत्साहित हूं : प्रतीक गांधी

मुंबई/भाषा

अभिनेता प्रतीक गांधी अगले महीने प्रतिष्ठित टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज 'गांधी' के विश्व प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं और उनका कहना है कि यह शो वैश्विक दर्शकों के लिए भारत में तैयार किया गया है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित यह सीरीज महात्मा गांधी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाली प्रभावशाली हस्तियों पर आधारित है।

स्कैम 1992, मडगांव एक्सप्रेस और सारे जहां से अच्छा में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले प्रतीक गांधी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार कहा, टीआईएफएफ (टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल) में चयनित होना सिर्फ मेरे या हमारी टीम के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ा क्षण है, क्योंकि यह पहली भारतीय वेब सीरीज है जिसे टीआईएफएफ में जगह मिली है। हम सभी भारत को एक सॉफ्ट पावर के रूप में देखते हैं। यह शो 'मेड इन इंडिया फॉर द ग्लोब' है जो गांधी पर बनी पहली सीरीज है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। इस शो का पहला सीजन 1888 से 1915 तक गांधी के प्रारंभिक वर्षों पर केंद्रित होगा। इसके बाद के सीजन 1915 से 1932 और फिर 1932 से 1947 तक की उनकी यात्रा पर प्रकाश डालेंगे। अभिनेता प्रतीक गांधी (45) को उम्मीद है कि शो में दर्शाए गए गांधी के 'मानवीय' पक्ष वैश्विक स्तर पर लोगों के साथ जुड़ाव स्थापित करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 24-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि आर्यशेखरविजयजी के पर्युषण महापर्व के चौथे दिन अपने प्रवचन में कहा कि कल्पसूत्र में 1215 श्लोक प्रमाण रचना 14 पूर्वधर आचार्य भद्रभाहु स्वामीजी ने की थी।

हमारा जीवन परिचय बनाती है हमारी वाणी : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में चौथा दिन वाणी संयम दिवस के रूप में मनाया गया।

साध्वीश्री ने भगवान महावीर की भव श्रृंखला के साथ वाणी की संयम साधना को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वाणी के कारण ही व्यक्ति अनुत्तर विमान तक पहुंच सकता है और वाणी से नरक गति तक जा सकता है। वाणी के संयम द्वारा ही आत्मा रमण कर सकती है। वाणी सत्य और प्रेम से जुड़े।

वाणी हमारा जीवन परिचय बनाती है। साध्वी विनितयशाजी ने वाणी संयम की महत्ता को उजागर करते हुए कहा कि हमारी वाणी इष्ट होने चाहिए। वाणी जोड़ने वाली हो, न कि तोड़ने वाली। वाणी से ही जीवन में आग भी लगाई जा सकती है और वाणी से ही बाग। साध्वी वर्धमानयशाजी ने वाणी संयम पर सुमधुर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बोथरा व अनेक संस्था के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। तेयुप के मंत्री संदीप बैद ने कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी।

मानसरोवर यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक कैलाश मानसरोवर यात्रा संघ द्वारा हनुमंतनगर स्थित विवेकानंद शिक्षण संस्थान के सभागार में कर्नाटक कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रियों के लिए स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यकारी अध्यक्ष प्रभाकर आर. एवं महेंद्र मुणोत ने पुष्प वर्षा कर तीर्थयात्रियों का स्वागत किया। आयोजकों ने वर्ष 2025 में पंजीकृत तीर्थयात्रियों को दिशानिर्देश दिए। आयोजकों ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

साधक व्यक्ति अनावश्यक न बोले : मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व का चतुर्थ दिवस वाणी संयम दिवस के रूप में मनाया गया। मुनिश्री ने वाणी संयम दिवस का महत्व प्रकट करते हुए कहा कि सफल जीवन का सूत्र है अधिक सुनें, अधिक देखें पर कम बोलें। अनावश्यक बोलने से व्यक्ति की ऊर्जा खत्म होती है अतः अनावश्यक ना बोलना भी मौन की उच्च साधना है।

काम बनाने वाली मधुर वाणी ही होती है और बिगाड़ने वाली कटु वाणी होती है। श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने साढ़े बारह वर्ष की उच्च कोटि की मौन साधना की थी, वह हमारे लिए उत्तम आदर्श कहा जा सकता है। ङ्कमुनिश्री आदित्य कुमार जी ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से मौन की महिमा प्रकट की। मुनिश्री ने श्रीमती वर्षा छाजेड़ को 15 की तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया। प्रेक्षा संगीत सुधा भजन मंडली द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। माणकचंद संचेती ने ज्ञानशाला तथा राजेंद्र बैद ने अखंड जाप की सूचना दी। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी संवत्सरी महापर्व के आयोजन की जानकारी दी।

शुभ संस्कारों में परिणमन ही धर्म की सार्थकता : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में ईटा गार्डन अपार्टमेंट के पास गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में आयोजित पर्युषण पर्व के चौथे दिन बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि विभाव से अपने आत्म स्वभाव में आना ही धर्म है। धर्म का स्वरूप व्यापक और विशाल है। धर्म का असली स्वरूप है अपने संस्कारों को शुभ भावों में परिवर्तित करना। उन्होंने कहा कि इस भौतिक संसार में शरीर, संपत्ति, सत्ता, सुरक्षा, सम्बन्ध जीव के अंत के साथ सभी यही संसार में ही रह जाएंगे। जीव के साथ अंत में उसके साथ जाते हैं केवल उसके किए गए सत्कर्म। पुण्य और पाप ही उसके साथ में जाने वाले हैं। स्वभाव, संस्कार और सत्कर्म ये तीन चीजें ही हमारे साथ में चलने वाली हैं बाकी सब जगत का पसारा सब यही संसार में रह

जाने वाला है। मुनिश्री ने धर्म सभा में चंडकौशिक के तीन भवों के जीवन में घटित घटनाक्रमों पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि अशुभ संस्कारों को जड़ मूल से निकाल फेंकना और अपने जीवन में शुभ संस्कारो का बीजारोपण करना ही धर्म आराधना की सच्ची सार्थकता है। प्रारंभ में श्री शालिभद्र मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन कर विवेचना की। उन्होंने महान करुणा मूर्ति, समता, सहनशीलता और क्षमा के सागर गजसुकुमाल मुनि के प्रेरणादायक जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी दृष्टि गुण ग्रहण की होनी चाहिए। स्वयं के दोषों को देखें, दूसरों से हमेशा गुण लेने का भाव रखना चाहिए। साध्वी समृद्धिश्री जी ने गत दिनों दिवंगत हुई साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी के महान असीम उपकारों को याद करते हुए कहा कि गुरुणीमैया का विराट संयमी जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिन्होंने हर सम-विषम परिस्थितियों में भी अपना आत्मविश्वास और आत्मबल के सहारे स्व और पर कल्याण करते हुए अपने अंत काल को भी सार्थक सिद्ध करते हुए आत्म कल्याण की दिशा में प्रयाण कर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विभिन्न तपस्याओं के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सभी तपस्वीयों का सम्मान चातुर्मास के तप अनुमोदना के लाभार्थी महावीरचन्द श्रीपाल मेहता परिवार ने किया। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया।

ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में अमेरिकी राजदूत नामित किया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नामित किया है। सर्जियो गोर वर्तमान में 'व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस' के निदेशक हैं। यह कदम व्यापार संबंधी मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में आई दरार के बीच उठाया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 38 वर्षीय गोर को महत्वपूर्ण राजदूत पद के लिए नामित करने की घोषणा करते हुए कहा कि वह (गोर) दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में भी काम करेंगे।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा कर सकूं कि वह मेरे एजेंडे को पूरा करेगा और 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' में हमारी मदद करेगा। गोर ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप के अभियान की राजनीतिक कार्रवाई समिति (पीएसी) में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी और नए प्रशासन में राजनीतिक नियुक्तियों की जांच करने का काम सौंपे जाने के बाद उनका प्रभाव कई गुना बढ़ गया।

कल्पसूत्र श्रवण करके श्रावक भवसागर से पार हो जाते हैं : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के चौथे दिन पर अपने प्रवचन में मनोजकुमार, दिनेशकुमार, विक्रमकुमार छाजेड़ परिवार द्वारा आचार्यश्री को कल्पसूत्र ग्रंथ प्रदान किया गया। अध्यक्ष नरेश बंबोरी परिवार द्वारा अष्टप्रकारी पूजन एवं सभी लाभार्थी परिवारों द्वारा कल्पसूत्र की ज्ञान पूजा की। आचार्यश्री ने कल्पसूत्र महाग्रंथ का वाचन करते हुए कहा कि कल्पसूत्र आगमग्रंथों में सर्वाधिक उपकारी ग्रंथ है। पूर्वधर श्रुत के वली आर्यवर श्रीभद्रबाहु स्वामीजी द्वारा कल्पसूत्र की रचना करने से जैन समाज का इतिहास अमर हो गया है। इसका श्रवण करके श्रावक भवसागर से पार हो जाते हैं। पूर्व में कल्पसूत्र का वाचन व श्रवण के बल साधु-साध्वी मंडल द्वारा ही किया जाता था लेकिन वर्तमान समय में कल्पसूत्र का वाचन ग्रहस्थ श्रावकों के मध्य किया जाता है, क्योंकि इस पवित्र ग्रंथ के श्रवण मात्र से ही प्राणियों के दुःख,पाप और संताप का क्षय होता है। जैसे रामायण, गीता का जिस तरह अपने अपने धर्मो में महत्व है, वैसे ही जैन जगत में कल्पसूत्र का अपना एक प्रमुख स्थान है। ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि कल्पसूत्र को ध्यान से सुनने से आठ भवों में मोक्ष मिलता है।ग्रंथ के संबंध में कहा कि चातुर्मास में एक जगह रहना स्थिरता का प्रतीक है। जैन दर्शन में कल्पसूत्र ग्रंथ के वाचन की सुव्यवस्थित विधि है। इसका वाचन एवं श्रवण करने वाले जीवात्मा निश्चय ही आठवें भव तक मोक्ष सुख को प्राप्त होते हैं। इस महान पवित्र ग्रंथ में प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक साधुओं के प्रायश्चित कर्म में जड़ का वर्णन है। आचार्य ने कहा कि कल्पसूत्र को जो मनुष्य सर्व अक्षरश ध्यान से सुनता है। वह जीव आठ भवों में मोक्ष को जाता है। प्रवचन में महावीर स्वामी के पारणा घर लेकर जाने का आदेश मेघराज कांतिलाल बेताला परिवार को मिला। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि प्रवचन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

अमावस्या के मौके पर शनिवार को जैन सेवा मंडल कैंट के सदस्यों ने तिम्मया रोड स्थित किशनलाल फूलचंद लुनिया मेटरनिटी होम के सामने अन्नदान किया। इस अवसर पर ताराचंद लुणावत, महावीरचंद गादिया, शांतिलाल चुतर, भीकमचंद लुनिया सहित अनेक सदस्यों ने अन्नदान में सहयोग किया।

पर्व आत्मशुद्धि का महान साधन है : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माधवनगर स्थित वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में पर्युषण पर्व की आराधना में प्रवचन देते हुए आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रातःकालीन प्रवचन में कल्पसूत्र की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व में पाँच दिन तक नौ प्रवचनों द्वारा कल्पसूत्र का वाचन-श्रवण करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इस महाग्रंथ की रचना चौदह पूर्वधर आचार्य श्री भद्रबाहुस्वामीजी ने की थी। ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि यह पर्व आत्मशुद्धि का महान साधन है। इसके पालन से कषायों का शमन, रत्नत्रयी की आराधना, देव, गुरु,धर्म की भक्ति, अबोल जीवों की रक्षा, साधर्मिक भक्ति और श्रुतज्ञान की उपासना जैसी अनगिनत साधनाएँ संभव होती हैं। यही साधना आत्मोत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है और आध्यात्म योग व ध्यान योग का समन्वय स्थापित करती है। दोपहर के प्रवचन में आचार्यश्री ने श्रमण भगवान महावीर के गर्भावतरण और गर्भ-परिवर्तन की घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया। साथ ही चौदह स्वप्नों, प्रभु के 27 भवों की यात्रा तथा सम्यक्तव की प्राप्ति के प्रसंग भी सुनाए। उन्होंने समझाया कि तीर्थंकर जैसी दिव्य आत्माओं को भी कर्म का दंड भोगना पड़ता है। यही जैन धर्म की निष्पक्षता और महान विशेषता है। आचार्यश्री ने कहा कि आज समाज में भौतिकता के बीच यह पर्व हमें त्याग, संयम और परोपकार का संदेश देता है। यदि समाज में हर व्यक्ति अपनी शक्ति अनुसार दीन-दुःखियों और जरूरतमंदों की सहायता करे तो भूख और अशांति स्वतः समाप्त हो सकती है।

संसद का 'एक नंबर पेड़' बना सुरक्षा चुनौती, शीघ्र ही उसे अन्यत्र लगाया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। नए संसद भवन के छह द्वारों में से एक, गज द्वार पर खड़े एक अकेले पेड़ को एसपीजी ने सुरक्षा बाधा के रूप में चिन्हित किया है और शीघ्र ही इसे उखाड़कर परिसर के भीतर ही लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर गज द्वार का इस्तेमाल करते हैं। इस पेड़ को दूसरे स्थान पर लगाने के इस निर्णय में कई एजेंसियां - विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और दिल्ली वन विभाग शामिल हैं। एसपीजी प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है जबकि सीपीडब्ल्यूडी केंद्र सरकार की प्राथमिक निर्माण एजेंसी है और उसे ही इस निर्णय को लागू करना है। दिल्ली वन विभाग को इस तरह के कदम को हरी झंडी देनी होती है। 'पीटीआई-भाषा' के पास उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, यह सब तब शुरू हुआ जब एसपीजी ने पूर्ण विकसित तबेबुइया अर्जेन्टिया वृक्ष को वीवीआईपी मार्ग में संभावित बाधा के रूप में चिह्नित किया। उसके बाद ही चीजें आगे बढ़ने लगीं।

इस पेड़ को 'सिल्वर ट्रम्पेट' के नाम से जाना जाता है और यह अपने चमकीले पीले फूलों के लिए खास है। क्रमांक एक वाले इस पेड़ को अन्य स्थान पर लगाने की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी। दिल्ली वन विभाग सीपीडब्ल्यूडी के अनुरोध के बाद ''कड़ी शर्तों'' के आधार पर इसकी अनुमति दे देगा।

जीभ का उपयोग सोच समझकर करना चाहिए : मुनि आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि आर्यशेखरविजयजी के पर्युषण महापर्व के चौथे दिन अपने प्रवचन में कहा कि कल्पसूत्र में 1215 श्लोक प्रमाण रचना 14 पूर्वधर आचार्य भद्रभाहु स्वामीजी ने की थी। इस महापुरुष ने हमें कल्पसूत्र ओर उवसग्गहरं मंत्र की भेंट दी है। उन्होंने कहा कि कल्पसूत्र का 21 बार पठन श्रवण करने वाले को भवों से मुक्ति मिल जाती है। कल्पसूत्र हमें सिखाता है कि बोलो कम और सुनो ज्यादा। संतश्री ने कहा कि जीभ का उपयोग सोच समझकर करना चाहिए। गलत बोलने वाले को अनेक जन्मों तक जीभ दोबारा नहीं मिलती। पर्युषण के पांचवें दिन भगवान महावीर का पालना घर ले जाने का लाभ पारूबाई देशमलजी सरेमल सालेचा परिवार ने लिया।

नशा नाश का द्वार है : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के चौथे दिन कहा कि नशा नाश का द्वार है।

नशे के कारण व्यक्ति के साथ उसके परिवार की सुख-शांति भी भंग हो जाती है।इतिहास में अनेकों उदाहरण मिलते हैं जहां नशा, व्यसनों के चक्कर में पड़ कर अनेक जिन्दगियां बर्बाद हो गई। मुनिश्री ने देश एवं समाज के सभी युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी आज अभी ही नशा रूपी भयंकर बुरी आदत को छोड़कर सरल, सादगी से अपना जीवन यापन करें। जो आपको दुर्गति में जाने से बचा सकता है और इसमें आपके साथ आपके परिवार में भी सदा सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का माहौल बना रह सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार और सभी को अपने स्तर पर इस महाविनाशकारी दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए आगे आना चाहिए और इस नशे की बीमारी को जड़ मूल से उखाड़ फेंकना चाहिए, तभी हमारा देश, समाज, परिवार सदा हमेशा सुख शांति, अमन, चैन के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकेगा। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने व्रत नियम के पच्चखान करवाते हुए मंगल पाठ प्रदान किया। संचालन राजेश मेहता ने किया।

प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के चौथे दिन प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने अंतगड़ दशा सूत्र का विवेचन करते हुए कहा कि प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है, इसलिए हम कर्म सोच समझकर करें। इन कर्मों की बहुत बड़ी मार होती है। स्वयं परमात्मा भी कर्म कर्ज से बच नहीं सकते हैं। गजसुकुमाल मुनि को लाखों भव पूर्व का कर्ज सिर पर अग्नि का दहन सह कर चुकाना पड़ा। उन्होंने यह कर्ज साहूकार की भांति हंसते हंसते चुकाया। पर्युषण यही संदेश देता है कि इस संसार में जो हमें दुख दे रहे हैं, वे हकीकत में हमें कर्म कर्ज से मुक्ति दिलाने में सहायक मित्र होते हैं। हम किसी से वैर की गांठ नहीं बाँधें। ङ्कप्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने अच्छे परिवार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार में सहनशक्ति बहुत जरूरी है। हमारे संस्कारों में परिवार को जोड़े रखने की भावना होनी चाहिए। माता पिता भी अपनी बिटियों को ऐसी शिक्षा दें कि वह ससुराल में सभी को अपना बना ले। मनमुटाव हो तो तुरंत झुक जाना चाहिए, क्योंकि समय के साथ दूरियां दीवार बन जाती हैं और पीढ़ियों से चल रहे संयुक्त परिवार बालू रेत की तरह बिखर जाते हैं। घर में बड़ों का आदर सम्मान होना चाहिए। घर में धार्मिक संस्कार होंगे तो वे घर कभी भी नही टूटेंगे। साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने शास्त्र वाचन किया। प्रवचन सभा में हर्षिका गोटावत ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

अमावस्या अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक के सदस्यों द्वारा शनिवार को महाप्रसादी अन्नदानम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शांतिलाल, अशोककुमार गजानन पोरवाल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अनिल पोकरणा, रतन सिंघवी, मानमल बाफना, मुकेश खांटेड, राजेश कातरेला आदि कार्यकर्ताओं ने करीब 3500 से अधिक लोगों को प्रसाद वितरण किया। इसी दौरान समिति द्वारा विजयपुरा गौशाला के लिए इंद्रजीत नाहर के सौजन्य से 51 हजार रुपए की आर्थिक सहयोग राशि भी प्रदान की गई।

साध्वी मयूरयशा ने प्रभु के 27 भवों का वर्णन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मयूरयशाश्जी ने पर्युषण महापर्व के दौरान कल्पसूत्र का वाचन प्रारंभ किया। साध्वीश्री ने कहा कि कल्प यानी आचार। साध्वीजी ने नागकेतु द्वारा जन्म होने के साथ किए गए अट्ठम का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी भगवान का

च्यवन, जन्म, दीक्षा और केवल ज्ञान उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में होते हैं जबकि उनका निर्वाण स्वाति नक्षत्र में हुआ था।

तीर्थंकर भगवन्त को 1008 लक्षण होते हैं, वासुदेव और बलदेव 108 लक्षण होते हैं और 32 लक्षण वाला व्यक्ति भाग्यवान होता है। साध्वीजी ने महावीर प्रभु के 27 भवों का वर्णन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com